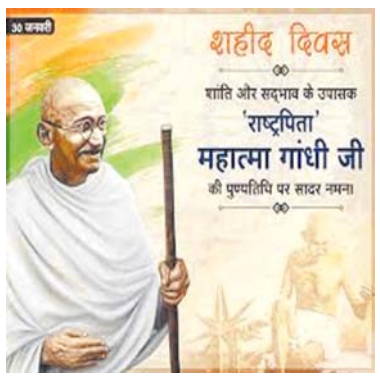

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 182/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 30 जनवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सेंसेक्सः 300 अंक से ज्यादा की तेजी

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 30 जनवरी को तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 76,800 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 100 अंक से ज्यादा की बढ़त है, ये 23,300 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट देखने को मिल रही है। आज एनर्जी और एफएमजीसी शेयर्स में तेजी है। वहीं आईटी और ऑटो शेयर्स पर दबाव देखने को मिल रहा है।

महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि

राष्ट्रपति, पीएम मोदी, राहुल ने दी श्रद्धांजलि

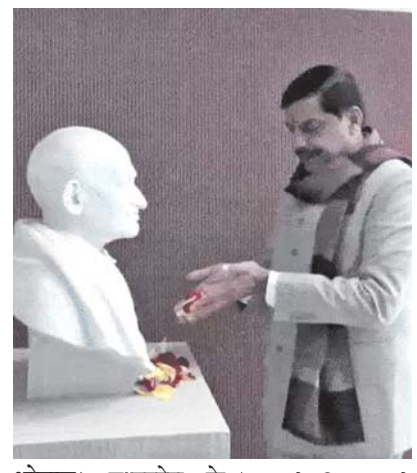

नई दिल्ली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आज 77वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत सभी बड़े नेताओं ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- पूज्य बापू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। उनके आदर्श हमें एक विकसित भारत बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं देश के लिए शहीद हुए सभी लोगों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनकी सेवा और बलिदान को याद करता हूं।

राहुल गांधी ने लिखा- कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि गांधी जी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, वह भारत की आत्मा हैं, और हर भारतीय में आज भी जीवित हैं। सत्य, अहिंसा और निडरता की शक्ति बड़े से बड़े साम्राज्य की जड़ें हिला सकती हैं - पूरा विश्व उनके इन आदर्शों से प्रेरणा लेता है। राष्ट्रपिता, महात्मा, हमारे बापू को उनके शहीद दिवस पर शत-शत नमन।

बापू हमारे आदर्श, रोजगार के अवसर बढ़ाने जापान आया हूं: मोहन यादव

महात्मा गांधी ने अहिंसा, स्वतंत्रता और मानवता के लिए काम किया

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने जापान दौरे के बीच कोबे शहर में बापू को याद करते हुए कहा कि, गांधी जी ने अहिंसा, स्वतंत्रता और मानवता के लिए काम किया। बापू हमारे आदर्श हैं और प्रेरणा श्रोत हैं। बापू ने दुनिया भर में भारतीयों का मान सम्मान बढ़ाया है। आज उनकी पुण्यतिथि पर मैं उनको स्मरण करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं मध्य प्रदेश में निवेश और युवाओं लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए जापान की यात्रा पर हूं। मध्यप्रदेश को लेकर जापान सहित बाकी देशों में भी रुझान बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है। ऐसे में सभी राज्य सरकारों का दायित्व बनता है कि अपने राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान आर्थिक संपन्नता के साथ औद्योगिक क्षेत्र में काफी मजबूत स्थिति में है। जापान के लोग रिसर्च को महत्व देते हैं। यह देश कई प्रकार की संभावनाओं से भरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी यह यात्रा जापान और मध्य प्रदेश के संदर्भ में एक मील का पत्थर साबित होगी।

बापू ने दुनिया भर में भारतीयों का मान-सम्मान बढ़ाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्बर्ट आइंस्टीन ने महात्मा गांधी के बारे में ठीक ही कहा था कि ÷भविष्य की पीढ़ियों को इस बात पर विश्वास करने में मुश्किल होगी कि हाड़-मांस से बना ऐसा कोई व्यक्ति भी कभी धरती पर आया था।÷ मुख्यमंत्री यादव ने कहा, ÷महात्मा गांधी ने अहिंसा, स्वतंत्रता और मानवता के लिए काम किया। बापू हमारे आदर्श हैं और प्रेरणा स्त्रोत हैं। बापू ने दुनिया भर में भारतीयों का मान-सम्मान बढ़ाया है। आज उनकी पुण्यतिथि पर मैं उनको स्मरण करता हूं।÷ मुख्यमंत्री यादव ने जापान प्रवास की चर्चा करते हुए कहा कि मैं मध्य प्रदेश में निवेश और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए जापान की यात्रा पर हूं।

सांध्यप्रकाश विशेष

नोबेल शांति पुरस्कार के लिए एलन मस्क का नॉमिनेशन, जानें क्यों इस यूरोपीय सांसद ने आगे बढ़ाया नाम

यूरोपीय संसद के स्लोवेनियाई सदस्य ब्रैंको ग्रिम्स ने आधिकारिक रूप से दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार और टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स जैसी कंपनियों के मालिक एलन मस्क को 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है।

ग्रिम्स के अनुसार, यह नॉमिनेशन अभिव्यक्ति की आजादी के समर्थन में मस्क के निरंतर प्रयासों और वैश्विक शांति में उनके योगदान को मान्यता देने के लिए किया गया है। ब्रैंको ग्रिम्स ने इस प्रस्ताव की पुष्टि करते हुए कहा, %आज सफलतापूर्वक यह प्रस्ताव पेश किया गया कि एलन मस्क, जो लगातार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक मानवाधिकार और शांति का समर्थन कर रहे हैं, उन्हें 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जाए। उन्होंने इस नॉमिनेशन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, %इस चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट में मदद करने वाले सभी सह-प्रस्तावकों और सहयोगियों का हार्दिक धन्यवाद।

मुंबई में पेट्रोल-डीजल वाहनों पर बैन की तैयारी, जल्द लागू हो सकता है नया कानून...

प्महाराष्ट्र सरकार जल्द ही मुंबई में पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना और इसे अधिक ग्रीन और क्लीन बनाना है। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो मुंबई में केवल इलेक्ट्रिक (श्वङ्क) और ष्टहत्र वाहन ही संचालित हो सकेंगे। सरकार ने इस विषय पर अध्ययन करने के लिए एक सात सदस्यीय समिति गठित की है, जो तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई की एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (्रक्तढ्ढ) 2020 से अब तक 12त्न तक खराब हो चुकी है, और इसका प्रमुख कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं, अत्यधिक ट्रैफिक जाम, निर्माण कार्य और औद्योगिक प्रदूषण है। इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि वह चरणबद्ध तरीके से पेट्रोल और डीजल वाहनों को हटाने की संभावनाओं पर विचार करे। इसके जवाब में, 22 जनवरी को सरकार ने एक समिति का गठन किया, जो इस योजना के प्रभावों और व्यवहार्यता पर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

हालांकि, इस प्रतिबंध से बेहतर वायु गुणवत्ता और कम प्रदूषण की दिशा में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। मुंबई में अभी भी पर्याप्त श्वङ्क चार्जिंग स्टेशन नहीं हैं, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों पर पूरी तरह से निर्भर रहना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, शहर की मेट्रो और पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है, जिससे निजी वाहनों पर निर्भर लाखों लोगों के लिए यह एक चुनौती बन सकता है। वहीं, ट्रांसपोर्ट, डिलीवरी सर्विस और टैक्सी उद्योगों पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि फ्यूल-चालित वाहनों को बदलने में उन्हें भारी लागत का सामना करना पड़ेगा।

बजट सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, सरकार के विधायी एजेंडे के बारे में बताया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद के बजट सत्र से पहले गुरुवार को सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठक बुलाई। सत्र की शुरुआत शुक्रवार को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण से होगी और बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा और दूसरा चरण 10 मार्च से शुरू होगा। सत्र चार अप्रैल को समाप्त होगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक राजनीतिक दलों को सरकार के विधायी एजेंडे के बारे में बताने और सत्र के दौरान विपक्ष के मुद्दों पर जानकारी प्राप्त करने के लिए बुलाई जाती है। बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा, कांग्रेस के गौरव गोगोई और जयराम रमेश, द्रविड़ मुनेत्र कषगम के टी. आर. बालू, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंद्योपाध्याय और डेरेक ओ ब्रायन समेत कई नेताओं ने हिस्सा लिया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू भी बैठक में शामिल हुए।

पन्ना में जेके सीमेंट प्लांट में हादसा 5 की मौत, 30 मजदूर घायल

पन्ना। पन्ना में स्थित जेके सीमेंट प्लांट में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में निर्माणाधीन हिस्से में छत की स्लैब डाली जा रही थी, जहां सैकड़ों मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक भाड़ा (स्कैफोल्डिंग) गिर गया, जिसकी चपेट में आने से 5 से ज्यादा मजदूरों की मौत हो गई, जबकि करीब 30 मजदूर घायल हुए हैं।

कंपनी के सूत्रों ने बताया कि राहत बचाव कार्य किया जा रहा है। मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस बल पहुंच गया। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। एम्बुलेंस भी मौके पर हैं, हालांकि अब तक घायल मजदूरों को अस्पताल नहीं पहुंचाया गया है। वहीं, मलबे में दबे कई मजदूरों को निकालने की कोशिश की जा रही है। सुरक्षा को देखते हुए फैक्ट्री के अंदर प्रवेश पूरी तरह से रोक दिया गया है। पुलिस और प्रशासन की टीमें मलबे में फंसे मजदूरों को निकालने में जुटी हुई हैं। हालांकि अभी तक मृतकों और घायलों की सटीक संख्या की प्रशासनिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन हादसे के कारणों का पता लगाने में जुट गया है।

यूएसः जन्मजात नागरिकता पर रोक की मांग वाला विधेयक पेश

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट में एक विधेयक पेश किया गया है। इस विधेयक में अमेरिका में जन्मजात नागरिकता के अधिकार को खत्म करने की मांग की गई है। यह विधेयक सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी के तीन सांसदों ने पेश किया है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते दिनों एक कार्यकारी आदेश जारी कर जन्मजात नागरिकता अधिकार पर रोक लगा दी थी, लेकिन अमेरिका की एक अदालत ने राष्ट्रपति के इस आदेश को लागू करने पर रोक दिया था। अब इस संबंध में विधेयक लाकर जन्मसिद्ध नागरिकता के अधिकार को खत्म करने की तैयारी हो रही है। रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर्स लिंडसे ग्राहम, टेड क्रूज और केटी ब्रिट ने यह विधेयक पेश किया है।

पीसीसी अध्यक्ष की कार को ट्रक ने मारी टक्कर, बाल-बाल बचे पटवारी

भोपाल। गुरुवार को भोपाल-इंदौर राजमार्ग पर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी की कार को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसा फंदा टोल टैक्स के पास सुबह करीब 10.45 बजे हुआ, जिसमें उनका वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में जीतू पटवारी सुरक्षित हैं। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, घटना के समय पूर्व मंत्री पटवारी अपनी कार से शहीद दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल जा रहे थे। हादसे की सूचना तुरंत जिला कांग्रेस को दी गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि वे तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हो गए थे।

यह हादसा लसूलिया के निकट फंदा टोल के पास हुई। स्थानीय पुलिस और प्रशासन को घटना की सूचना दे दी गई है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद पटवारी दूसरे वाहन से भोपाल के लिए रवाना हो गए।सीहोर कोतवाली प्रभारी रविंद्र यादव ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। आरंभिक जानकारी के अनुसार भोपाल-इंदौर रोड पर टोल टैक्स के पास एक तरफ सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है, इसलिए रोड वन वे था।

सिवनी सीएमओ के यहां ईओडब्ल्यू का छापा

छिंदवाड़ा। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) टीम ने गुरुवार सुबह सिवनी नगर पालिका की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीएमओ) और बालाघाट की प्रभारी दिशा डेहरिया के नागपुर रोड स्थित आवास पर छापेमारी की। छिंदवाड़ा के अलावा उनके सिवनी और बालाघाट के घर पर रेड जारी है।

आय से अधिक संपत्ति की शिकायत के बाद जबलपुर से आई ईओडब्ल्यू की टीम ने सुबह 6ः30 बजे भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जांच शुरू की। सुरक्षा कारणों से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित मकान के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है और किसी को भी परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है।

ईओडब्ल्यू की 12 लोगों की टीम सर्चिंग कर रही है, इसे ईओडब्ल्यू डीएसपी स्वर्णजीत सिंह धामी लीड कर रहे है। ईओडब्ल्यू की टीम प्रॉपर्टी का वेल्युएशन में जुटी है। वहीं दूसरी टीम दिशा डेहरिया को सिवनी से लेकर वारासिवनी (बालाघाट) के लिए रवाना हुई है।

जगदंबिका पाल ने वक्फ संबंधी जेपीसी की रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को सौंपी

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने गुरुवार को समिति की रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी। इससे पहले समिति ने बुधवार को 655 पेज वाली रिपोर्ट को बहुमत से स्वीकार किया था। इसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों की ओर दिए गए सुझावों को शामिल किया गया है।

हालांकि, विपक्षी सांसदों ने इसे असंवैधानिक करार दिया था। उनका आरोप है कि यह कदम वक्फ बोर्डों को बर्बाद कर देगा। इसके उलट भाजपा सांसदों ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले साल अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में आधुनिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाने का प्रयास करने वाला है।

सोना पहली बार 81 हजार रुपए पार

मुंबई। सोना आज यानी 30 जनवरी को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 81,006 रुपए हो गया है। बुधवार को इसके दाम 80,975 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में भी आज बढ़त रही। ये 920 रुपए बढ़कर 91,600 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी की कीमत 90,680 रुपए प्रति किलो थी। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था। तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका, महाकुंभ में भगदड़ के लिए जिम्मेदारो पर कार्रवाई की मांग

महाकुंभ में भगदड़ से 30 लोगों की मौत, सुप्रीम कोर्ट में सुरक्षा उपायों की मांग को लेकर जनहित याचिका दायर

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान भगदड़ में 30 लोगों की मौत के बाद सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में महाकुंभ में आने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका में सभी राज्यों को निर्देश देने की अपील की गई है कि वे प्रयागराज में अपने सुविधा केंद्रों पर तीर्थयात्रियों को सुरक्षा उपायों और दिशा-निर्देशों की जानकारी उपलब्ध कराएं। इसके अलावा, विभिन्न भाषाओं में घोषणाओं, दिशानिर्देशों और मार्गदर्शक डिस्प्ले बोर्डों की स्थापना की भी मांग की गई है, ताकि दूसरे राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समन्वय कर सभी राज्य सरकारें महाकुंभ में चिकित्सा आपातकाल के लिए डॉक्टरों और नर्सों की मेडिकल टीम तैनात करें, जिससे मेडिकल स्टाफ की कमी न हो और त्वरित इलाज संभव हो सके।

सैनिक स्मृति सम्मान दिवस पर गूंजे वीर रस के गीत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

दुष्यंत कुमार सभागार में बुधवार को राष्ट्रीय अलघ साहित्य अकादमी द्वारा, फ्लाइंग ऑफिसर श्यामलाल श्रीवास्तव की स्मृति में आयोजित सैनिक स्मृति सम्मान दिवस के अवसर पर देश के विभिन्न शहरों से कई भूतपूर्व सैनिक और अफसर और प्रसिद्ध कवि एक ही मंच पर उपस्थित हुए। कुछ भूतपूर्व सैनिकों ने अपनी कविता से मंच पर वीर रस की धारा बहाई तो कुछ ने सीमा पर युद्ध के वीर रस के गीतों के माध्यम से भरपूर किस्से भी सुनाए। देश से आए विभिन्न कवियों ने कविता के हर रस की प्रस्तुति से पूरे सभागार को कवितामय कर दिया। सामाजिक कार्यकर्ता कांति श्रीवास्तव ने स्वर्गीय फ्लाइंग ऑफिसर श्यामलाल श्रीवास्तव के जीवन की संघर्षमय कहानी प्रस्तुत की।

फ्लाइंग ऑफिसर श्रीवास्तव एक कर्मठ वायु सैनिक थे जिन्होंने अपना बचपन संघर्ष में गुजारा और अपनी लगन और मेहनत के दम पर वायु सेना में शामिल हो कर अपने त्याग और समर्पण से नई पीढ़ी में देश प्रेम की मिसाल पेश की । कान्ति श्रीवास्तव ने साहित्य सैन्य पराक्रम और समाज सेवा को एक प्लेटफार्म पर लाकर राष्ट्रीय अनघ साहित्य अकादमी की स्थापना की जिसके तत्वाधान में यह आयोजन किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन विजयकांत वर्मा भूतपूर्व चांसलर डॉ सीवी रमन यूनिवर्सिटी और फाउंडर वाइस चांसलर रवींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी थे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता भूतपूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा ने की । विशिष्ट अतिथियों में कर्नल एसके गुप्ता कर्नल रिचार्य प्रसिद्ध कवि महेंद्र भट्ट और शृंगारी जी ने मंच की शोभा बढ़ाई। संचालन राधिका कृष्ण देशमुख ने किया। श्रोताओं से भरे सभागार में सैन्य शक्ति और पराक्रम के इस अद्भुत संगम में बह रही रस की धारा ने श्रोताओं को पूरे समय तक बांधे रखा।

देश के कोने कोने से आए साठ से अधिक कवियों ने आयोजन में भाग लिया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि कर्नल विजय कान्त वर्मा ने कारगिल और बालाकोट पर अपनी कविता सुनाते हुए कहा कि इस तरह का अनोखा आयोजन आने वाली पीढ़ी को एक बहुत सकारात्मक संदेश देगा और फ्लाईंग आफिसर श्रीवास्तव की जीवनी के माध्यम से प्रेरणा देगा। श्री शर्मा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि इस तरह के अर्थपूर्ण आयोजन देश को एकता और देश प्रेम का बहुत प्रभावशाली संदेश देते हैं। आयोजन के दौरान कांति श्रीवास्तव के कविता संग्रह संघर्ष का विमोचन किया गया और सभी सैन्य कर्मियों, कवियों वा साहित्यकारों का सम्मान शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेट कर किया गया ।

सीआरपीएफ के जवान ने पत्नी को मारी गोली, फिर खुद भी की आत्महत्या, दोनों की मौत

भोपाल। राजधानी के मिसरोद थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सीआरपीएफ के एक आरक्षक ने पहले अपनी पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इस घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह घटना मिसरोद थाना क्षेत्र में हुई, जहां सीआरपीएफ के आरक्षक ने अज्ञात कारणों से अपनी पत्नी पर गोली चला दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह घरेलू विवाद का मामला लग रहा है, हालांकि जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आत्महत्या और हत्या के कारणों की जांच कर रही है।

महाकुंभ से लौट रहे यात्री की ट्रेन से गिरकर मौत, भोपाल में हड़कंप

भोपाल। राजधानी भोपाल के सूखे सेवनिया इलाके के रेलवे स्टेशन से एक दुखद घटना सामने आई है, जहां महाकुंभ से लौट रहे एक यात्री की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। मृतक 50 वर्षीय कल्ला बंशकार, जो भोपाल के खोला इलाके का निवासी था, हम्माली का काम करता था। परिवार के सदस्यों के अनुसार, कल्ला बंशकार शनिवार को महाकुंभ में स्नान करने के लिए गए थे। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात जब ट्रेन सूखे सेवनिया क्षेत्र से गुजर रही थी, कल्ला बंशकार ट्रेन के कोच के गेट पर बैठे थे। अचानक नींद का आक्रमण हुआ और वह ट्रेन से गिरकर रेलवे ट्रैक पर जा गिरे। घटना के बाद, घायल कल्ला बंशकार ने अपने परिवार के सदस्यों को फोन कर जानकारी दी और रेलवे ट्रैक पर गिरने के बारे में बताया। परिवार ने तुरंत रेलवे ट्रैक के पास जाकर उसे गंभीर हालत में पाया। हालांकि, वह जीवित थे और उनकी सांसें चल रही थीं, लेकिन कुछ घंटों के इलाज के बाद उनकी मौत हो गई। रेलवे अधिकारियों ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना से रेलवे में यात्री सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जबकि स्थानीय प्रशासन ने जल्द ही सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने का वादा किया है।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के माखनपुरम परिसर में हीलिंग पॉवर ऑफ हैप्पीनेस विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संयुक्त रूप से आयोजन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय और एमसीयू द्वारा किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता कैम्ब्रिज (यूके) से डॉ. प्रशांत काकोड़े थे। उन्होंने खुशी के विज्ञान पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि निस्वार्थ भाव से कुछ देने पर हमें सबसे अधिक आंतरिक आनंद प्राप्त होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब हम दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तो हमें भी सकारात्मक ऊर्जा और संतुष्टि का अनुभव होता है। इस अवसर पर बी.के. हेमा और सारा सिस्टर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत में एमसीयू के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी, डीन अकादमिक डॉ. पी. शशिकला, जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सारंग और सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार ने अतिथियों का शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया।

मूक-बधिर दिव्यांगजनों के लिए कोड जारी, साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर होंगे मुफ्त उपलब्ध

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने मूक-बधिर दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए साइन लैंग्वेज आधारित त्त्क्र कोड जारी किया है। इस त्त्क्र कोड के माध्यम से सभी शासकीय कार्यालयों, पुलिस थानों और न्यायालयों में दिव्यांगजन अपनी बात आसानी से समझा सकेंगे। यह सुविधा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा शुरू की गई है, जिसमें डेफ्थ कैन फाउंडेशन निशुल्क साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर ऑनलाइन उपलब्ध कराएगा। इस त्त्क्र कोड को स्कैन करने पर लाइव साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर से जुड़ने की सुविधा मिलेगी। यह इंटरप्रेटर मूक-बधिर दिव्यांगजनों की बातें संबंधित अधिकारी या न्यायालय कर्मियों को सामान्य भाषा में समझाने में मदद करेगा।

इस सुविधा का उद्घाटन आयुक्त सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण डॉ. आर.आर. भोंसले ने किया। उन्होंने बताया कि यह कदम भारत सरकार के एक्सेसिबल इंडिया प्रोग्राम के तहत उठाया गया है, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए समावेशी और सुगम माहौल तैयार करना है। कोड के जरिए जो साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर उपलब्ध कराए जाएंगे, वे रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया से प्रमाणित होंगे। इन इंटरप्रेटरों द्वारा किए गए अनुवाद को न्यायिक प्रक्रियाओं में भी मान्यता दी जाएगी। इस पहल के तहत सामाजिक न्याय विभाग, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा इंटरप्रेटर की सुविधा का शुल्क वहन किया जाएगा, जिससे मूक-बधिर दिव्यांगजन यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क प्राप्त कर सकेंगे।

मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप द्वारा देश भक्ति गीतों का संगीतमय कार्यक्रम सम्पन्न

ये देश है वीर जवानों का, थीम पर आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों ने दी प्रस्तुतियां

संत हिरदाराम नगर। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप द्वारा गायत्री हाल संत हिरदाराम नगर में 30वें प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें देश भक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई। टाइटल सांग था 'ये देश है वीर जवानों का'। प्रोग्राम के संचालक रामचंद सभनानी एवं आयोजक विवेक नगरूरकर, उप संचालक सुरेश तनवानी,उप संचालक सी.के. जेठानी, एंकर अर्पिता सक्सेना, रोशनी तनवानी एवं मधु मोहनानी मुख्य रूप से उपस्थित थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी बी.डी. तेजवानी, विशेष अतिथि हीरो फैंस क्लब के अध्यक्ष हीरो हिन्दू, पत्रकार संघ संत हिरदाराम नगर के संस्थापक अध्यक्ष कमल मनसुखानी, पत्रकार संघ संत हिरदाराम के अध्यक्ष संदीप पाठक एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष संत हिरदाराम नगर भाजपा रमेश जनयानी उपस्थित थे। सभी अतिथियों का शाल एवं फूल मालाएं पहनाकर एवं मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में 38 गायकों ने लगातार 9 घंटे अपनी-अपनी शानदार प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। गायकों मुख्य रूप से हरनाम पेसवानी, अनिल मोतिरमानी, विवेक दुबे, हरीश सावलानी, रूप बसंत, शोभा लहरिया, मनोहर आहूजा, जेठानंद तेजवानी, संजय नागपुरे, नरेश पेसवानी, के आर श्रीवास्तव, मोहन बेलानी, संजय चौहान, रमेश चंदानी, तरुणा स्वामी, बीडी लीलानी, आर के खेरिया, रीना मेहता, साबिर सिदकी, चंद्रकांत यादव, योगेश मालानी, प्रकाश जनयानी, के.एल मोटवानी, मीता श्रीवास्तव, अतिथि सिंगर रमेश तनवानी एवं मोहमद लाइक अहमद ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी।

अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, आबकारी विभाग ने की छापेमारी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश पर आबकारी विभाग ने राजधानी में अवैध शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचूरा के मार्गदर्शन और आबकारी कंट्रोलर एच.एस. गोयल के नेतृत्व में भोपाल के कई इलाकों में छापेमारी कर अवैध शराब जब्त की गई।

गोल जोड़, कजलीखेड़ा क्षेत्र के आरोपी महेश (पुत्र श्यामलाल बरकड़े) को 148 पाव देशी शराब और मोटरसाइकिल सहित पकड़ा गया। आबकारी उपनिरीक्षक अतुल दुबे ने विधिवत प्रकरण दर्ज किया। गांधी नगर नई बस्ती में छापेमारी में 12 लीटर अवैध हाथ भट्टी शराब बरामद। 3 प्रकरण पंजीबद्ध, आरोपिया सावित्री सोलंकी गिरफ्तार। छोला और पीयूष नगर अवधपुरी क्षेत्र में विशेष टीम ने गश्त कर अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखी। आबकारी कंट्रोलर एच.एस. गोयल ने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। भोपाल में अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए नियमित छापेमारी और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वी.एल इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने 45 करोड़ मूल्य के पांच प्रतिष्ठित इन्फ्रास्ट्रक्चर अनुबंध प्राप्त किए

मुंबई। वी.एल. इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड जो जल आपूर्ति और सीवरेज इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को निष्पादित करने में विशेषज्ञता रखता है, ने ?45.49 करोड़ के संयुक्त कुल मूल्य के पांच महत्वपूर्ण ऑर्डर्स और एलओआई प्राप्त करने की घोषणा की है। यह प्रतिष्ठित ऑर्डर्स कंपनी की निरंतर वृद्धि और प्रमुख क्षेत्रीय बाजारों में बढ़ती उपस्थिति को दर्शाते हैं।कंपनी ने 3 दिसंबर, 2024 से आगे निम्नलिखित ऑर्डर्स हासिल किए हैं।

रेफेक्स इंडस्ट्रीज ने प्राफिट में वृद्धि दर्ज की

चेन्नई। रिफेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड जो भारत में स्थिरता की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रही है और जिनके व्यापक पोर्टफोलियो में एश और कोल हैंडलिंग, रेफ्रिजरेंट गैस और ग्रीन मोबिलिटी शामिल है, कंपनी ने एफवाय25 की तीसरी तिमाही और नौ महीने के लिए अपनी अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है, जो उसकी हरे भविष्य की दिशा में एक और कदम है।

एफवाय25 में 36 प्रतिशत की हुई वृद्धि

चेन्नई। सुप्रीम पावर इक्विपमेंट लिमिटेड पावर और वितरण ट्रांसफॉर्मर निर्माण उद्योग में अग्रणी कंपनियों में से एक, ने एफवाय25 की तीसरी तिमाही और 9 महीने की अपनी अनऑडिटेड वित्तीय रिपोर्ट की घोषणा की।सुप्रीम पावर इक्विपमेंट लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री वी राजमोहन ने रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए कहा, हम अपने 9रू और त्त्३ स्न्ङ्ग25 परिणामों में मजबूत वृद्धि की रिपोर्ट करते हुए अत्यंत खुश हैं, जिसमें कुल आय में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है।

दलित युवक के साथ बेरहमी से मारपीट, भाजपा अजा मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

भोपाल। दलित युवक के साथ बेरहमी से मारपीट कर दो पहिया वाहन छुड़ाने वालों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत के नेतृत्व में किसान मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष कैलाश सोनी, विकास सुनानी ने पुलिस उपायुक्त जोन-4 जितेंद्र सिंह पवार के अनुपस्थित में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-4 मलकीत सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि दलित युवक के साथ बेरहमी से मारपीट कर दो पहिया वाहन छुड़ाने वालों पर थाना छोला मंदिर पुलिस ने एफआईआर दर्ज के स्थान पर दूसरे दिन रात 11:30 बजे एनसीआर की धारा 115(2), 352 दर्ज कर की खानापूर्ति। रावत ने बताया कि, 26 जनवरी को सुबह 12 बजे उड़िया बस्ती निवासी विकास सुनानी, दो पहिया वाहन स्कूटी एक्सेस से जा रहा था, उड़िया बस्ती काली मंदिर के पास विपिन योगी की दो वर्ष की पुत्री सड़क पार करने के लिये दौड़ लगा दी जिसके कारण वह वाहन से टकरा गई, वाहन से टकराने के कारण बच्ची की नाक एवं सर से खून निकलने लगा। खून देखकर बच्ची के पिता विपिन योगी एवं चार लोगों ने विकास सुनानी के साथ बेरहमी से मारपीट कर वाहन छुड़ाकर घर के अंदर रख लिया, शाम 6 बजे विकास सुनानी की मां सांध्य सुनानी थाना छोला मंदिर जाकर घटना की जानकारी दी, पुलिस ने बच्ची के पिता को थाने बुलाया और दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद विकास सुनानी के नाम एफआईआर दर्ज कर लिया, विकास की मां सांध्य ने भी पुत्र के साथ मारपीट कर वाहन छुड़ाने वालों पर कार्यवाही करने हेतु पुलिस को आवेदन पत्र दिया।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा अचीवर्स अवार्ड में प्रतिभाओं का सम्मान

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट में बैंक ऑफ़ बड़ौदा अचीवर्स अवार्ड समारोह का आयोजन किया गया। बैंक ऑफ़ बड़ौदा के द्वारा प्रति वर्ष अकादमिक एवं अन्य गतिविधियों में अग्रणी प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाता है। यह दूसरा वर्ष है जब सम्पूर्ण भोपाल के संस्थानों में से संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट की छात्राओं का चयन किया है, जो संस्थान के लिए एक सम्मानजनक उपलब्धि है। इस अवार्ड कार्यक्रम के लिए संस्थान के द्वारा बैंक के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बैंक ऑफ़ बड़ौदा के डिप्टी रीजनल हेड आशीष सिंह चौहान, बैंक अधिकारीगण विकास कुमार सिंह, बरखा शर्मा, डॉ. स्वाति ठाकुर, गगन तिवारी, हरीश पेसवानी के साथ संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हीरो ज्ञानचंदानी जी, ग्रुप एडवाइजर पी ऐस राठौर, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर एवं शिक्षकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती, माँ भारती एवं संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। डायरेक्टर डॉ. ठाकुर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं संस्थान की छात्राओं को सम्मानित करने के लिए बैंक ऑफ़ बड़ौदा को पुनः साधुवाद दिया। कार्यक्रम में श्री चौहान ने अपने उद्बोधन में बैंक ऑफ़ बड़ौदा के द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों का ब्यौरा दिया एवं कहा कि संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट की छात्राओं में शिक्षा एवं संस्कार का समावेश है, जो अनुकरणीय है।

बैंक के अधिकारियों के द्वारा तीन श्रेणियों अकादमिक, स्पोर्ट्स एवं ऑल-राउंडर में सर्वश्रेष्ठ प्रत्येक छात्रा को 31,000/- रुपये का पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। अकादमिक श्रेणी में ऐम. बी. ए. इंटीग्रेटेड (बैच 2019-24) की छात्रा यशस्विनी बावने, स्पोर्ट्स श्रेणी में ऐम. बी. ए. इंटीग्रेटेड (बैच 2019-24) की छात्रा नंदिनी नागोत्रा एवं ऑल-राउंडर श्रेणी में ऐम. बी. ए. इंटीग्रेटेड (बैच 2019-24) की छात्रा ऋचा यादव को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर छात्राओं के माता पिता भी उपस्थित थे। इस उपलब्धियों पर छात्राओं के अभिभावकों ने अपने आपको गर्वित महसूस किया। श्री हीरो ज्ञानचंदानी जी एवं डॉ. आशीष ठाकुर एवं सभी शिक्षकों ने छात्राओं को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

दूध में शक्कर की तरह हर जगह एडजेस्ट होने की कला है भारतीयों में: डॉ. मोहन यादव

- भारत और जापान के ध्वज निरंतर विकास के प्रतीक - मुख्यमंत्री ने जापान में फ्रैंड्स ऑफ एमपी से किया संवाद

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतवंशी अपनी परिवार परंपरा से जहां काम करते हैं वहां निष्ठा का भाव रखते हैं। यही कारण है कि वे हर जगह एडजेस्ट हो जाते हैं। एडजेस्ट भी ऐसे जैसे दूध में शक्कर मिल जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चार दिवसीय जापान यात्रा के दूसरे दिन जापान में भारतवंशियों फ्रैन्ड्स ऑफ एम.पी. को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन, ऑटो मोबाइल, टायर मेन्यूफैक्चरिंग एवं रेडिमेड गारमेंट के क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। इस अवसर पर जापान में भारत के राजदूत सी.व्ही. जार्ज, एसीएस मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

एक होते हैं सगे, एक होते हैं संबंधी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम भारतवंशी ही सगे संबंधियों को समझ सकते हैं। विदेश प्रवास के दौरान भी आप लोगों को सामने देखकर ऐसा लगता है जैसे हम सगे-संबं?धियों के बीच आ गए हैं। हमारे देश में कोई भी उत्सव या समारोह तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक उस समारोह में सगे- संबंधियों की उपस्थित न हो। मैं आपको म.प्र. में फरवरी में होने जा रहे औद्योगिक निवेश के भव्य समारोह जीआईएस के लिये आमंत्रित करने आया हूँ। विदेश में अनजान चेहरों के बीच जब हमवतन दिखाई देते हैं तो भारतीयता की विशेष अनुभूति होती है।

प्राणियों में सद्भाव और विश्व का कल्याण हमारी संस्कृति: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भाव हो और विश्व का कल्याण हो की भावना को सर्वोपरि रखकर काम करते हैं और यही वजह है कि हिन्दुस्तानी आपको हर देश में हर काम को निष्ठा के साथ करता हुआ मिल जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने इकबाल के शेर का जिक्र भी किया कि कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी... हम हर कठिनाई, हर चुनौती को मात देकर आगे बढ़ पाते हैं, यह हमारी विशेषता है।

हम आगे बढना चाहते हैं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति रही है कि कभी हमने आक्रमण नहीं किया, कभी किसी की भूमि पर कब्जा नहीं किया। हम आगे बढना चाहते हैं। हमें विश्व गुरू के मार्ग पर आगे चलना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास के नए आयामों को छुआ है। मैं कह सकता हूँ कि नेता तो पहले भी आते जाते रहे होंगे परंतु लोगों के मन में प्रधानमंत्री श्री मोदी के आगमन और विदेशी मंच पर उनके सम्मान को देखते हुए जिस विश्वास और दृढ़ता का भाव पैदा होता है, उस भाव से मन में गर्व की अनुभूति होती है।

मोदी जी के नेतृत्व में बढ़ा देश का आत्म-विश्वास: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान में बसे भारतवंशियों और फ्रैंड्स ऑफ एमपी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की 5वीं बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। उन्होंने कोविड काल की चुनौतियों से पार पाने की सफलता का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व क्षमता की सराहना की और कहा कि उनके नेतृत्व से विश्व स्तर पर भारत का सम्मान बढ़ा है और हमारी उपस्थिति सम्मानजनक बनी है, साथ ही भारतवंशियों का आत्म-विश्वास भी बढ़ गया है।

सदेच्छा से संकल्प सिद्धि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति उदात्त है, हम सदैव विश्व के कल्याण की बात करते हैं, भारतवंशी जहां भी रहते हैं वहीं के कल्याण में जुट जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा अच्छा करने का संकल्प और हमारी सभी के प्रति सदेच्छा हमारी कार्यसिद्धि का साधन बन जाते हैं।

उगते सूरज का देश है जापान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जापान उगते सूरज का देश है। भारत और जापान के राष्ट्र ध्वज की समानता को उदधृत करते हुए उन्होंने कहा कि जापान के ध्वज के मध्य में उगते सूरज को चिन्हित किया गया है, वहीं भारत के ध्वज के मध्य 24 चक्र 24घंटे विकास को इंगित करते हैं। उन्होंने कहा कि यहां 50 भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं। मैं उन सभी भारतवासियों से कह रहा हूँ कि जो यहां काम कर रहे हैं, जापान के प्रति पूर्ण निष्ठा से काम करते रहें। उन्होंने कहा कि कई देश भारत की परिवार और कुटुम्ब परम्परा को नहीं समझते। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की एकता का आधार है।

प्रधानमंत्री की थाली और ताली की भाषा को सारे देश ने समझा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का करिश्माई नेतृत्व ही था जब कोरोना महामारी के काल में उन्होंने थाली और ताली बजवाकर कोरोना की गंभीर प्रवृत्ति का लोगों को आभास कराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी हमारे आयडियल और अग्रणी नेता हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की रफ्तार को लॉकडाउन के माध्यम से नियंत्रित कर देशवासियों को सुरक्षित रखा। उन्होंने कहा कि जापान और जर्मनी जैसे समृद्ध और विकसित देश कम मैनपावर के बावजूद अपनी देश प्रेम की भावना और मेहनत के बल पर दुनिया के आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न और समृद्ध देशों की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज हम आर्थिक दृष्टि से विकसित देशों की पंक्ति में पांचवें स्थान पर हैं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा ने कहा कि विगत एक वर्ष में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने औद्योगिक विकास के नवाचार किए और नए आयाम स्थापित किए हैं। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए वे रीजनल इन्डस्ट्रीज की अवधारणा को धरातल पर लेकर आए। विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यूके, जर्मनी और जापान की यात्रा कर निवेशकों को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए आमंत्रित किया। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह ने फ्रेंडस ऑफ मध्यप्रदेश के बीच मध्यप्रदेश गान सुख का दाता सबका साथी, शुभ का यह संदेश है- मां की गोद पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है की पंक्तियों के साथ जापान में बसे भारतवासियों को अपने देश और प्रदेश की मिट्टी की याद दिलाई।

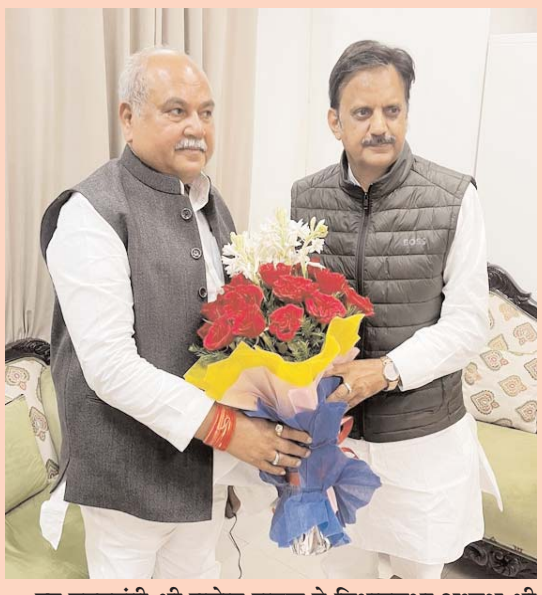

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर से आज उनके आवास पर सौजन्य भेंट की और विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की।

महाराज अग्रसेन की 11वीं महाआरती 2 फरवरी को

भोपाल। अग्रकुल प्रवर्तक एवं अग्रवाल समाज के आराध्य देव भगवान महाराज अग्रसेन और कुलदेवी माँ लक्ष्मी के आशीर्वाद से भोपाल में माह के प्रथम रविवार को महाआरती की जा रही हैं। ग्यारहवीं महा आरती का आयोजन रविवार, 2 फरवरी 2025 समय - सायं 5 बजे, महाराज अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष, आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने, भोपाल में की जा रही है।

नागरिकों को परिवहन कार्यालय में किसी भी तरह की न हो परेशानी: परिवहन मंत्री सिंह

परिवहन मंत्री ने किया ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन का आकस्मिक निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने आज भोपाल में ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परिवहन मंत्री ने वाहनों की फिटनेस जाँच प्रक्रिया को देखा। उन्होंने संचालकों से जन-सामान्य को किसी भी तरह की परेशानी न होने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान सचिव परिवहन श्री मनीष सिंह और परिवहन आयुक्त श्री विवेक शर्मा भी मौजूद थे। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अनफिट वाहनों के संचालन पर प्रभावी रूप से रोक लगाये जाने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने वाहनों के स्व-चलित परीक्षण (ऑटोमेटेड टेस्टिंग) के बाद ही फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किया जाना अनिवार्य किया गया है। प्रदेश में वाहनों की मानव हस्तक्षेप रहित पारदर्शी तरीके से फिटनेस जाँच किये जाने के लिये ग्वालियर, इंदौर और भोपाल में ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन कार्य कर रहे हैं। वाहनों की जाँच में और तेज गति से काम करने के लिये परिवहन विभाग ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में 22 ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन शुरू किये जाने के स्वीकृति-पत्र मंजूर किये हैं। इनमें से 18 स्वीकृति-पत्र विभिन्न एजेंसियों को जारी किये जा चुके हैं।

परिवहन मंत्री सिंह ने भोपाल के कोकता ट्रांसपोर्ट नगर स्थित परिवहन कार्यालय में व्हीएलटीडी कमाण्ड सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि नागरिकों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी व्यावसायिक वाहनों में पैनिक बटन अनिवार्य रूप से लगाया जाना सुनिश्चित किया जाये। जिला परिवहन अधिकारी भोपाल ने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों के वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस अनिवार्य रूप से लगवाये जा रहे हैं। परिवहन मंत्री को अवगत कराया गया कि यात्रा के दौरान किसी यात्री को किसी प्रकार की असुविधा होने पर उसके द्वारा पैनिक बटन दबाने पर संदेश क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय भोपाल के राज्य स्तरीय कंट्रोल एण्ड कमाण्ड सेंटर पर प्रेषित हो जाता है। संदेश के आधार पर वाहन की वास्तविक लोकेशन ट्रेक की जाकर उसे त्वरित सहायता उपलब्ध करायी जाती है। प्रदेश में अब तक करीब 60 हजार वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस लगाये जा चुके हैं। परिवहन मंत्री ने यह सुनिश्चित करने के लिये कहा कि वाहनों में लगे पैनिक बटन वर्किंग कंडीशन में हों। जिन वाहनों में ट्रेकिंग डिवाइस रिचार्ज नहीं हैं, उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाये। उन्होंने पैनिक बटन के दुरुपयोग पर भी कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिये। परिवहन मंत्री श्री सिंह ने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में नागरिकों से भी सरकारी प्रक्रियाओं के संबंध में चर्चा की।

विशेष अभियान चलाकर की जाएगी हितग्राहियों की पहचान

भोपाल। सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के ई-केवाइसी प्रक्रिया को आसान बनाया जाएगा। इसके तहत ऐसे हितग्राही जिनके बायोमेट्रिक प्रक्रिया में फिंगर प्रिंट नहीं आ पा रहे है उनका आइरिस ऑथेंटिकेशन कराया जायगा। चलने में असमर्थ हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन कराकर पेंशन जारी रखी जाएगी। मंत्री श्री कुशवाह ने निर्देश दिये है कि पेंशन हितग्राहियों का ई-केवाइसी का कार्य 15 फरवरी 2025 तक शत-प्रतिशत पूरा कर लिया जाये। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण सोनाली वायंगणकर ने कलेक्टर्स ओर विभागीय अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 49 लाख 84 हजार पेंशन हितग्राहियों का समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवाइसी किया जा चुका है। शेष हितग्राहियों के ई-केवायसी की प्रक्रिया जारी है। जिन हितग्राहियों का बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन नहीं हो पा रहा है, उनका आइरिस ऑथेंटिकेशन (आंख के माध्यम से) कराया जाएगा। जो वृद्धजन/दिव्यांगजन चलन-फिरने में असमर्थ है उनका भौतिक सत्यापन करा कर पेंशन जारी रखी जाएगी। साथ ही जिन हितग्राहियों को बायोमेट्रिक या आइरिस (आंखों से प्रमाणीकरण) ऑथेंटिकेशन नहीं हो पा रहा है। उनका फेस-प्रमाणीकरण कराया जाएगा। श्रीमती वायंगणकर ने बताया कि जिन हितग्राहियों का उक्त तीनों प्रकार से प्रमाणीकरण नहीं हो पा रहा है उनका निवास स्थान पर पहुंचकर स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों द्वारा भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। इसके बाद उसे पेंशन पोर्टल पर चिन्हित कर प्रमाणीकरण किया जाएगा। प्रक्रिया के दौरान हितग्राही की पेंशन जारी रखी जाएगी। श्रीमती वायंगणकर ने बताया कि प्रदेश के ऐसे पेंशन हितग्राही जो रोजगार की तलाश में पलायन कर गये हों, उनके बारे में ग्राम पंचायत सचिव अथवा वार्ड प्रभारी से सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त की जायेगी। हितग्राहियों के बैंक ओर पोस्ट ऑफिस में ट्रान्जेक्शन अथवा मोबाइल नम्बर से सम्पर्क किया जायेगा, सम्पर्क नहीं होने पर ऐसे हितग्राहियों को पलायन कर्ता घोषित कर पेंशन होल्ड कर दी जाएगी। ई-केवाइसी होने पर उनकी पेंशन एरियर सहित जारी कर दी जाएगी।

आरजीवीवी कर्मचारियों ने कुल सचिव कक्ष के सामने किया प्रदर्शन

भोपाल। आर जी व्ही वी के स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने आज अपनी सात सूत्रीय मांगों के समर्थन में कुल सचिव मोहन सेन के कक्ष के समक्ष जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया प्रदर्शन में अमर अहिरे जगदीश शर्मा शाजली इजहार आदि दर्जनों कर्मचारी शामिल थे।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि आर जी व्ही वी के कर्मचारियों की सात सूत्रीय मांगे लंबे समय से लंबित है मांगों को लेकर कर्मचारी लंबे समय से चरणबद्ध प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन प्रशासन मांगों को संज्ञान में नहीं ले रहा है कुल सचिव ने लिखित में आश्वासन देने के बाद भी मांगों पर आदेश जारी नहीं करें है जिस कारण विश्वविद्यालय के समस्त स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है कुल सचिव ने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी योजना का लाभ देने के लिए 7 सदस्य वाली कमेटी का गठन कर दिया है कमेटी की बैठक भी हो चुकी है मांगों के प्रस्ताव भी तैयार करके कुल सचिव को अनुमोदन हेतु भेज दिए गए हैं लेकिन मुख्य आदेश अभी नहीं जारी हुए मांगे प्रमुख रूप से दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के स्थाई कर्मी बनाने स्थाई कर्मियों को नियमित करने आउट सोर्स प्रथा समाप्त करने स्थाई कर्मियों को शासकीय कर्मचारियों के समान अवकाश सुविधा का लाभ देने पीएफ सुविधा बीमा सुविधा मेडिकल सुविधा का लाभ देने आदि है।

राज्यमंत्री बागरी ने जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास तथा डिंडोरी जिले की प्रभारी राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की मंत्रालय स्थित कक्ष में समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और जल निगम के अधिकारियों से डिंडोरी, करंजिया और शहपुरा-मेहंदवानी समूह जल प्रदाय परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने परियोजनाओं की अपेक्षाकृत धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक मैनपावर और संसाधनों का समुचित उपयोग कर कार्य में गति लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए, जिससे योजनाओं का शीघ्र लाभ आमजन तक पहुंच सके। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद संबंधित स्थानों का रिस्टोरेशन कार्य भी प्रभावी ढंग से किया जाए, जिससे नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने अधिकारियों को जल मिशन के कार्यों को तत्परता से पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि नल-जल योजना का लाभ प्रत्येक घर तक पहुँचे, यह सुनिश्चित किया जाये। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि फरवरी माह में वे स्वयं परियोजनाओं का भौतिक निरीक्षण करेंगी। एक माह के बाद पुन: समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रगति की विस्तृत समीक्षा होगी।

शहीदों की स्मृति में रखा गया मौन

भोपाल। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों की स्मृति में संभागायुक्त कार्यालय परिसर में दो मिनट का मौन धारण किया गया। संयुक्त आयुक्त विनोद यादव सहित कार्यालय में पदस्थ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्र के विकास में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका : राज्य मंत्री लोधी

भोपाल। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि राष्ट्र के विकास और प्रगति में पर्यटन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारे महान देश का पर्यटन की दृष्टि से दुनिया में एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। हमारा देश सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक और पुरातात्विक दृष्टि से समृद्ध है। राज्य मंत्री श्री लोधी बर्सिलोना स्पेन में पर्यटन के रोड-शो कार्यक्रम में टूर ऑपरेटर, ट्रेवल एजेंट्स, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों को संबोधित कर रहे थे। राज्य मंत्री लोधी ने कहा कि मैं भारत के मध्य में स्थित प्रांत देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश से हूँ। राज्य मंत्री लोधी ने कहा कि जिस तरह हृदय सम्पूर्ण शरीर में ऊर्जा का प्रवाह करता है, उसी तरह भारत की आध्यात्मिक और दार्शनिक संस्कृति का मार्ग भी मध्यप्रदेश से होकर गुज़रता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पर्यटन के क्षेत्र में हमारा देश और प्रदेश निरंतर उच्च मापदंडों को स्पर्श कर रहा है। भारत विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है। हमारी संस्कृति दुनिया की एक मात्र संस्कृति है, जो वसुधैव कुटुंबकम्‌ की बात करती है, सम्पूर्ण विश्व को अपना परिवार मानती है। राज्य मंत्री लोधी ने कहा कि हमारी संस्कृति न केवल मानव जाति के कल्याण की, अपितु बल्कि सम्पूर्ण जगत के कल्याण की बात करती है। हमने आज भी अपने सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक मूल्यों को न केवल अक्षुण रखा है, बल्कि उसे सम्पूर्ण विश्व में प्रसारित भी किया है।

स म्पा द की य

सुप्रीम कोर्ट की चिंता

सर्वोच्च न्यायालय अर्थात सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों की ओर से हाई कोर्ट में सरकारी वकीलों और लोक अभियोजकों की राजनीतिक आधार पर नियुक्ति करने की प्रवृत्ति पर बुधवार को गहरी चिंता व्यक्त की। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि भाई-भतीजावाद और फेवरिज्म को ऐसे महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए।

देखा जाए तो यह फैसला सभी राज्य सरकारों के लिए एक संदेश है कि हाई कोर्ट में सहायक सरकारी वकील और सहायक लोक अभियोजक की नियुक्ति केवल मेरिट के आधार पर होनी चाहिए। राज्य सरकार का कर्तव्य है कि वह नियुक्त व्यक्ति की योग्यता, उसकी कानूनी दक्षता, उसकी पृष्ठभूमि और उसकी ईमानदारी की जांच करे।

असल में सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में एक आपराधिक अपील के दौरान लोक अभियोजक की कमजोर पैरवी को देखकर की, जिससे आरोपी को सजा दे दी गई थी। कोर्ट यह देखकर चौंक गया कि हाई कोर्ट ने एक रिवीजन याचिका में ट्रायल कोर्ट के बरी के फैसले को पलट दिया, जो कि कानूनी रूप से अवैध है। रिवीजन याचिका के माध्यम से बरी किए गए व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट को यह देखकर और भी आश्चर्य हुआ कि हाई कोर्ट में पब्लिक प्रोसिक्युटर ने इस कानूनी त्रुटि को बताने के बजाय आरोपी को मौत की सजा देने की मांग कर दी, जबकि राज्य सरकार ने बरी किए जाने के खिलाफ कोई अपील ही दायर नहीं की थी।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने अफसोस जताते हुए कहा कि हाई कोर्ट में लोक अभियोजकों के स्तर का ये हाल है। अदालत ने कहा कि लोक अभियोजक एक सार्वजनिक पदाधिकारी होता है। आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत उसे कुछ विशेष अधिकार और कर्तव्य सौंपे गए हैं। लोक अभियोजक किसी जांच एजेंसी का हिस्सा नहीं होता, बल्कि एक स्वतंत्र पदाधिकारी होता है। लोक अभियोजक को न्यायिक प्रणाली में अपराध के अभियोजन की ईमानदारी और निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए। इस मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार को तीन अपीलकर्ताओं को मुआवजे के रूप में 5-5 लाख रुपये देने का आदेश दिया, जिन्हें गलत तरीके से दोषी ठहराकर हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुना दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की यह चिंता उचित ही है, क्योंकि सामान्य तौर पर सरकारी वकील बनाने की प्रक्रिया एक जैसी रहती है। जिस दल की सरकार होती है, उस पार्टी के सदस्य वकीलों को ही सरकारी वकील नामित कर दिया जाता है। सरकारी वकील और नोटरी का पंजीयन सरकारें दलीय आधार पर ही करती हैं। इसी के चलते विरोधी पार्टियों के लोगों को सामान्य मामलों में भी सजा कराने का दबाव बनाया जाता है और अपनी पार्टी के लोगों को गंभीर मामलों में भी बरी कराने की कोशिश की जाती है। निचली अदालतों में तो सरकारी वकील सामान्य तौर पर न्यायाधीशों को प्रभावित करने में सफल हो जाते हैं।

सही मायने में अदालतों में नियुक्त किये जाने वाले सरकारी वकील पूरी तरह से सरकारी ही होते हैं। राजनीति से पूरी तरह प्रभावित होते हैं। शासन नहीं, सत्ता में काबिज पार्टी की तरफ से ही अदालत में खड़े होते हैं और एक पार्टी विशेष की ही पैरवी करते दिखते हैं। यही कारण है कि जिस पार्टी की सरकार आती है, वह पुराने वकीलों को बदल कर अपनी पार्टी के लोगों को सरकारी वकील का चोला पहना देती है। यही कारण है कि अदालतों पर से भरोसा उठता चला जाता है।

कुल मिलाकर सर्वोच्च न्यायालय की चिंता तो वाजिब है, लेकिन सरकारें इस चिंता से सहमत हो भी पायेंगी या नहीं। सरकारों की जिस तरह से कार्यप्रणाली बदल रही है, वह कहीं से भी निरपेक्ष नहीं रह गई है। वह जनता के बजाय एक पार्टी की सरकार बन जाती है और उसी पार्टी के लिए समर्पित होकर रह हाती है। ऐसे में सरकारी वकीलों की नियुक्ति की प्रक्रिया और सोच पर सवालिया निशान लगना स्वाभाविक ही है। और सुप्रीम कोर्ट की चिंता के बाद भी लगता नहीं कि इसमें कुछ बदलाव या सुधार हो पायेगा।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट से मिल सकती हैं कई सौगातें

प्रह्लाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रेल-सितम्बर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है।

केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों, की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभात जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लेट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है, इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं।

भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्र सरकार के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह भी कहना है कि न केवल आय कर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए।

इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल श्री मोहनदास पई का तो कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आय कर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आय कर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर देना चाहिए। मकान निर्माण हेतु लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए।

फरवरी 2025 माह में ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पोलिसी की घोषणा भी होने जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे रेपो दर में कम से कम 25 अथवा 50 आधार बिंदुओं की कमी तो अवश्य करेंगे। क्योंकि, पिछले लगातार लगभग 24 माह तक रेपो दर में कोई भी परिवर्तन नहीं करने के चलते मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा मकान निर्माण एवं चार पहिया वाहन आदि खरीदने हेतु बैकों से लिए गए ऋण की किश्त की राशि का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है। बैकों से लिए गए इस प्रकार के ऋणों एवं माइक्रो फाइनैन्स की किश्तों की अदायगी में चूक की घटनाएं भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अब मुद्रा स्फीति की दर खाद्य पदार्थों (फलों एवं सब्जियों आदि) के कुछ महंगे होने के चलते ही उच्च स्तर पर आ जाती है जबकि कोर मुद्रा स्फीति की दर तो अब नियंत्रण में आ चुकी है। खाद्य पदार्थों की मंहगाई को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखकर कम नहीं किया जा सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक को अब इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव के चलते देश में पूंजीगत खर्चों में कमी दिखाई दी है। इसीलिए अब लगातार यह मांग की जा रही है कि देश में वन नेशन वन इलेक्शन कानून को शीघ्र ही लागू किया जाना चाहिए क्योंकि बार बार देश में चुनाव होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के चलते अपने बजटीय खर्चों को रोक दिया जाता है जिससे देश का आर्थिक विकास प्रभावित होता है। अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लोक सभा में पेश किए जाने वाले बजट में पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर गम्भीरता दिखाई जाएगी। हालांकि वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.50 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 10 लाख करोड़ रुपए एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था। अब वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कम से कम 15 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे देश में धीमी पड़ रही आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में सहायता मिलेगी और रोजगार के करोड़ों नए अवसर भी निर्मित होंगे, जिसकी वर्तमान समय में देश को अत्यधिक आवश्यकता भी है।

विभिन्न राज्यों द्वारा चलायी जा रही फ्रीबीज की योजनाओं पर भी अब अंकुश लगाए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इन योजनाओं से देश के आर्थिक विकास को लाभ कम और नुक्सान अधिक होता है। केरल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं दिल्ली की स्थिति हम सबके सामने है। इस प्रकार की योजनाओं को चलाने के कारण इन राज्यों के बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। पंजाब तो किसी समय पर देश के सबसे सम्पन्न राज्यों में शामिल हुआ करता था परंतु आज पंजाब में बजटीय घाटा भयावह स्थिति में पहुंच गया है। जिससे ये राज्य आज पूंजीगत खर्चों पर अधिक राशि व्यय नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि इन राज्यों की न तो आय बढ़ रही है और न ही बजटीय घाटे पर नियंत्रण स्थापित हो पा रहा है।

पिछले कुछ समय से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम हो रहा है। यह सितम्बर 2020 तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत था जो अब गिरकर सकल घरेलू उत्पाद का 0.8 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2019 के बजट में कोरपोरेट कर की दरों में कमी की घोषणा की गई थी, जिसका बहुत अच्छा प्रभाव विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पर पड़ा था और सितम्बर 2020 में तो यह बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत तक पहुंच गया था। अब एक बार पुनः इस बजट में कोरपोरेट कर में कमी करने पर भी विचार किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने वाले उद्योगों को भी कुछ राहत प्रदान की जा सकती है क्योंकि आज देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की महती आवश्यकता है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को विशेष सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं। हां, साथ में तकनीकी आधारित उद्योगों को भी बढ़ावा देना होगा क्योंकि वैश्विक स्तर पर भी हमारे उद्योगों को हमें प्रतिस्पर्धी बनाना है। ग्रामीण इलाकों में आज भी भारत की लगभग 60 प्रतिशत आबादी निवास करती है अतः कृषि क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में कुटीर एवं लघु उद्योगों पर अधिक ध्यान इस बजट के माध्यम से दिया जाएगा, ताकि रोजगार के अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और नागरिकों के शहर की ओर हो रहे पलायन को रोका जा सके।

दिल्ली चुनाव का यह आयाम

राकेश दुबे

दिल्ली में इस बार चुनाव 'वर्ग' पर आधारित होता दिख रहा है। यह पहली बार हो रहा है कि चुनाव में आर्थिक मुद्दों की गूंज है। पहली बार ही किसी राजनीतिक दल ने 'मध्य-वर्ग' पर विशेष घोषणा-पत्र जारी किया है। यह काम भी केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) ने किया है। अभी तक चुनाव में आर्थिक मुद्दों के संदर्भ में 'मुफ्त की रेवड़ियों' का शोर था। एक सामाजिक और विशेषज्ञ पक्ष इसे 'रेवड़ी' मानने को तैयार नहीं है।

उसका मानना है कि जनता का पैसा जनता के कल्याण पर खर्च किया जा रहा है, वंचित और गरीब तबके की मदद की जा रही है, तो इसमें गलत, अनैतिक और अर्थव्यवस्था-विरोधी क्या है? दूसरा पक्ष इसे सरेआम 'रिश्वतखोरी' करार देता है, क्योंकि मतदाता को कुछ नकदी, मुफ्त का लालच देकर उसका वोट हासिल किया जा रहा है, लेकिन एक वर्ग ऐसा है, जो देश के आर्थिक संसाधनों की 'रीढ़' है, लेकिन चुनावों में अभी तक उपेक्षित रहा है। उस वर्ग में डॉक्टर, इंजीनियर, सरकारी कर्मचारी, सरकारी पेंशनभोगी, बैंकर, एक खास वर्ग के पत्रकार, अध्यापक, प्रोफेसर आदि ऐसे पेशेवर लोग आते हैं, जो आयकर और अन्य करों के रूप में देश को 'खजाना' मुहैया कराते हैं। औसतन 100 रुपए कमाते हैं, तो 30 प्रतिशत कर चुकाना पड़ता है। आयकर देने वाला यह वर्ग आबादी का मात्र 4-5 प्रतिशत ही है। कुछ और लोग भी हैं, जो परोक्ष रूप से करदाता हैं और देश की अर्थव्यवस्था के संचालक हैं। वैसे जीएसटी और कुछ उपकर ऐसे हैं, जो देश की करीब 65 प्रतिशत आबादी को चुकाने ही पड़ते हैं।

इनमें आम आदमी भी शामिल है, लेकिन मध्य-वर्ग ऐसा है, जिसे निचोड़ा जाता रहा है, लेकिन बदले में वह 'रेवड़ियों' की अपेक्षा भी नहीं करता। वह मुफ्तखोरी का पक्षधर नहीं है। अरबपति उद्योगपतियों का एक खास वर्ग है, जिसे किसी भी पार्टी की सत्ता पाल-पोस कर रखती है। इस वर्ग के 14.56 लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज बैंकों को 'बट्टे खाते' (राइट ऑफ) में डालने ही पड़ते हैं। एक अरबपति को 6500 करोड़ रुपए का कर्ज मिला, लेकिन जब यह मामला आपस में सैटल किया गया, तो अरबपति को 1500 करोड़ रुपए का ही भुगतान करना पड़ा। देश में 400-500 'औद्योगिक मित्र' ऐसे हैं, जिनके 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज सरकार ने माफ करा दिया। बेशक यह वर्ग भी मतदाता है, लेकिन यह वर्ग सरकारें संचालित करता है। सरकार से सिर्फ इतनी अपेक्षा रखता है कि वह उसके मोटे कर्जों को 'बट्टे खाते' में डलवाती रहे अथवा हजारों करोड़ रुपए के कर्ज के बदले उसे कुछ सौ करोड़ रुपए ही चुकता करने पड़ें। मध्य-वर्ग में भी अपर, अर्ध अपर, मिडिल और लोअर वर्ग हैं। उनका मूल्यांकन उनके वेतन के आधार पर किया जाता है, क्योंकि आयकर भी उसी के अनुसार तय होता है। मध्य-वर्ग ऐसा है, जो गेहूं के साथ घुन की तरह पिसता रहा है। हालांकि यह वर्ग परिभाषित नहीं है, लेकिन माना जाता है कि दिल्ली में करीब 67 प्रतिशत आबादी मध्य-वर्ग के दायरे में आती है। देश में औसतन 31 प्रतिशत मध्य-वर्ग माना जाता है। बहरहाल यह मुद्दा दिल्ली के चुनाव की दिशा और दशा मोड़ भी सकता है।

गांवों की खुशहाली मापने के लिए बनाएं नए मानदंड

उमेश चतुर्वेदी

घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है।

दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश की पहचान उसके गांव रहे हैं। देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे। लेकिन घरेलू उपयोग और खर्च के ताजा सर्वेक्षण की रिपोर्ट बता रही है कि गांवों की आर्थिक तस्वीर बदलने लगी है।

भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से घरेलू उपयोग और खर्च के लिए कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया है। अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण और शहरी भारत में प्रति व्यक्ति औसत मासिक खर्च 4,122 रुपये और 6,996 रुपये हो गया है। जबकि पहले यानी 2022 से 2023 के बीच यह खर्च क्रमश॰ 3,773 रुपये और 6,459 रुपये थाय् यानी शहरी और ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति खर्च दर में बड़ा अंतर था। मोटे तौर पर यह आंकड़ा बता रहा है कि हाल के दिनों में ग्रामीण इलाकों में आर्थिक समृद्धि पहले की तुलना में बढ़ी और उस लिहाज से खर्च भी बढ़ा है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जबकि 32 प्रतिशत आबादी शहरों में है। स्वाधीन भारत में विशेषकर उदारीकरण के बाद जिस तरह का विकास मॉडल हमने अपनाया, उसमें शहरी विकास पर सबसे ज्यादा फोकस रहा, ग्रामीण विकास या तो रस्मी रहा या फिर उस पर फोकस शहरों की तुलना में कम रहा। शहरों की ओर रोजगार और जीवन सुविधाएं केंद्रित होती चली गईं। शिक्षा के भी बेहतर अवसर गांवों की तुलना में शहरों की ओर बढ़ते गए। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों से सबसे ज्यादा पलायन रोजगार और शिक्षा के लिए हुआ। फिर जिन परिवारों के पास सहूलियतें बढ़ीं, उन परिवारों ने अपनी हैसियत और बजट के लिहाज से मुफीद पाए जाने वाले शहरों की ओर रहने के लिए रूख किया। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण आबादी का जो अनुपात आबादी के समय था, वह आज बदल चुका है। आजादी के वक्त तकरीबन 80 फीसद से ज्यादा लोग गांवों में रहते थे, अनुमान है कि वह घटते-घटते अब साठ और पैंसठ फीसद के बीच आ गई है। रिकॉर्ड पर ग्रामीण आबादी का इतना बड़ा हिस्सा भले ही गांवों में बसता हो, लेकिन हकीकत यह है कि इसमें एक बड़ा हिस्सा शहरों में रोजी-रोटी और शिक्षा के लिए कभी शौकिया तो कभी मजबूरीवश रहने को मजबूर है। इसलिए रिकॉर्ड की तुलना में वास्तविक ग्रामीण आबादी अब और भी कम हो चुकी है।

घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है। इसकी वजह यह है कि सरकार की ओर से तमाम तरह की योजनाएं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम चल रहे हैं। मुफ्त खाद्यान्न योजना समेत कई अन्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के जरिये मुफ्त में मिल रही चीजों की कीमतों को ध्यान में रखें तो घरेलू खर्च के ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हो जाते हैं। मौजूदा कीमतों के संदर्भ में देखें तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खर्च पर औसत आठ और नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साल 2011-12 में शहरी और खपत खर्च के बीच 84 प्रतिशत का अंतर था, जो 2022-23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया। जो अब 70 फीसद ही रह गया है। इन आंकड़ों से ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खुशहाली की तसवीर सामने आती है। दिलचस्प यह है कि इस आंकड़े में खाने-पीने के अलावा की चीजों पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च 60 और 53 प्रतिशत रहा। इसका मतलब साफ है कि अब ग्रामीण इलाकों में भी वाहन, कपड़े, बिस्तर, जूते, मनोरंजन एवं टिकाऊ आदि सामानों पर खर्च बढ़ा है। इससे साफ है कि उपभोक्तावाद ने ग्रामीण इलाकों पर भी जोरदार दस्तक दी है। वैसे ऑनलाइन स्टोर से गांवों में खरीददारी बढ़ी है और उनके डिलीवरी एजेंटों की बाइकें अब ग्रामीण इलाकों का भी खूब चक्कर लगा रही हैं।

पिछले साल मई में रिजर्व बैंक ने भी ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खपत खर्च को लेकर ऐसे ही आंकड़े जारी किए थे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उम्मीद जताई थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी रहेगी और देश की जीडीपी दर मे 7.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। लेकिन रिजर्व बैंक ने इसी रिपोर्ट में ग्रामीण इलाकों में बढ़ते कर्ज को लेकर भी रिपोर्ट जारी की थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में भी कर्ज को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके मुताबिक, कर्ज लेने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग कहीं ज्यादा आगे हैं। गांवों में प्रति एक लाख लोगों में 18,714 लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोई न कोई कर्ज ले रखा है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा 17,442 प्रति लाख ही है। साफ है कि उपभोक्तावाद ग्रामीण संस्कृति को बदलने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। कर्ज कभी गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द होते थे, इसलिए वहां बचत केंद्रित आर्थिकी पर जोर था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इसका मतलब साफ है कि गांवों में खर्च भले ही बढ़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गांवों की तसवीर अभी कम से कम वैसी नहीं हो पाई है, जिस स्तर पर शहरी तसवीर है।

गांवों का समृद्ध होना जरूरी है। हाल के दिनों में जनसंख्या को बढ़ाने और न बढ़ाने को लेकर सियासी तौर पर अपने-अपने तर्क दिए जा रहे हैं। इन तर्कों के अपने आधार हो सकते हैं। लेकिन इससे शायद ही कोई इनकार करेगा कि भारत के शहरों की सांस अगर फूल रही है तो इसकी बड़ी वजह उनकी ओर बेतहाशा हो रहा पलायन और उस बड़ी जनसंख्या के लिए इस्तेमाल हो रहे उपभोक्ता वस्तुओं का बड़ा योगदान है। भारत में आबादी बढ़ाने की जगह आबादी के समन्वित और संतुलित वितरण की जरूरत ज्यादा है। ग्रामीण इलाकों में आबादी को रोकने की कोशिश होनी चाहिए। ग्रामीण आबादी को बुनियादी शिक्षा और रोजगार गांवों या उसके आसपास ही उपलब्ध कराने की नीतियों पर आगे बढ़ना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो निश्चित तौर पर आबादी को संतुलित किया जा सकेगा। तब गांव आबादी विहीन नहीं होंगे और शहरों पर आबादी का असंतुलित बोझ नहीं बढ़ेगा।

गांवों में हो रही खपत और खर्च को लेकर आ रहे आंकड़ों का पहला असर यही होना चाहिए कि गांवों में आबादी रूके। लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। ग्रामीण इलाके में बढ़ते खर्च से अव्वल तो गांवों में रोजगार के साधन बढ़ने चाहिए। लेकिन इस दिशा में ठोस बदलाव होते नजर नहीं आ रहे।

बेशक आज आजादी के बाद के दौर की तरह के बदहाल गांव नहीं हैं। बेशक शहरों जितना उसे बिजली नहीं मिलती, लेकिन पहले की तुलना में अब गांवों को भी बिजली ज्यादा मिल रही है। गांवों में भी उपभोक्ता वस्तुएं पहुंची हैं। इससे बेशक पारंपरिक संस्कृति चोट भले ही पहुंची हो। यह भी सच है कि ग्रामीण विकास और दूसरी कल्याण योजनाओं के जरिए गांवों में केंद्रीय और राज्य सरकारों की ओर से पैसा जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि उस पैसे का एक बड़ा हिस्सा जमीनी स्तर पर खर्च होने की बजाय नौकरशाही और राजनीतिक रिश्वत के रूप में शहरी इलाकों में ही रूक रहा है और वहीं निवेशित हो रहा है।

इस लिहाज से देखें तो ग्रामीण इलाके में जैसी समृद्धि दिखनी चाहिए, कम से कम जमीनी स्तर पर वैसी समृद्धि नहीं है। गांवों का जैसा रूप होना चाहिए, वैसा नहीं है। इसलिए सिर्फ घरेलू खर्च के जरिए ही गांवों की खुशहाली और समृद्धि की खोज करना उचित नहीं होगा। यह तभी होगा, जब गांवों की खुशहाली और समृद्धि मापने के लिए समन्वित और समावेशी मूल्यांकन प्रणाली अपनाएंगे, जिसमें यह भी देखा जाएगा कि कितनी ग्रामीण आबादी को मजबूरी में गांव पीछे छोड़ना पड़ा है और कितनी आबादी गांव लौट रही है। गांवों के लिए ऐसी समन्वित नीतियां तैयार करना और उन्हें लागू करना होगा, जिनके जरिए परंपरा भी बची रहे, संस्कृति की धारा भी अजस्त्र बनी रहे, समृद्धि भी आए और गांवों को शहरों का मोहताज नहीं होना पड़े, जैसा महात्मा गांधी चाहते थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

खुदरा फुटकर व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष बने प्रीतम राजपूत, स्नेहीजनों ने दी बधाई

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)। व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता प्रीतम राजपूत को खुदरा फुटकर व्यापारी महासंघ का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया श्री राम मंदिर परिसर में हुई बैठक में करीब सो व्यापारियों की सहमति से प्रीतम राजपूत को संघ का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया बैठक में सभी मुद्दों पर चर्चा करने के बाद नगर के छोटे व्यापारियों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक सक्रिय संगठन बनाने का प्रस्ताव रखा जिसका सभी ने समर्थन किया और संगठन का नाम खुदरा फुटकर व्यापारी महासंघ रख कर उसका नेतृत्व सामाजिक कार्यकर्ता प्रीतम राजपूत को दिया संगठन में सुरेंद्र सिंह थानदार, राजेन्द्र सिंह नागर, सलीम मंसूरी, राजू मालवीय को उपाध्यक्ष सुनील गुप्ता को सचिव अरसद खान को सहसचिव सैयद इरफान अली को कोषाध्यक्ष सह कोषाध्यक्ष आसिफ खान उपस्थित व्यापरियों की सहमति पर हरपाल सिंह राजपूत ओर पामेश यादव को संगठन का संरक्षक बनाया गया नवीन संगठन में सर्वसम्मति से प्रीतम राजपूत को अध्यक्ष निर्वाचित होने पर नगर के तमाम खुदरा व्यापारियों व सामाजिक कार्यकर्ताओ ने उन्हें बधाई प्रेषित की।

मामला धर्मांतरण का कन्या आश्रम छिर्वा की अधीक्षिका पर निलंबन की कार्यवाही

खरगोन। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग प्रशांत कुमार आर्य ने छात्राओं को अन्य धर्म की शिक्षा के लिए प्रेरित करने एवं आश्रम की साफ-सफाई का कार्य छात्राओं से कराने के मामले में विकासखण्ड भीकनगांव के अंतर्गत शासकीय कन्या आश्रम छिर्वा की अधीक्षिका श्रीमती रीता खरते को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय भीकनगांव किया गया है। छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती रीता खरते के विरूद्ध आश्रम की छात्राओं को अन्य धर्म की शिक्षा के लिए प्रेरित करने एवं छात्राओं से आश्रम की साफ-सफाई का कार्य कराये जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी। इस शिकायत की जांच के दौरान छात्राओं एवं पालकों के कथन लिए गए थे। जिसमें शिकायत को सही पाया गया। जिस पर छात्रावास अधीक्षिका पर निलंबन की कार्यवाही की गई है।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा से की सौजन्य भेंट

दमोह । भारतीय जनता पार्टी जिला दमोह के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने प्रदेश भाजपा कार्यालय भोपाल में प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा से सौजन्य भेंट की इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने जिला अध्यक्ष को उनके निर्वाचन पश्चात अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी साथ ही भविष्य के लिए संगठनात्मक दृष्टि से सुझाव दिये। जिला अध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष को आभार प्रकट करते हुए आश्वस्त किया कि वह संगठन द्वारा निर्धारित सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कार्य करेंगे एवं भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनहितैषी योजनाओं को जन जन तक पहुंचने का कार्य करेंगे।

एनटीपीसी खरगोन में हिन्दी सृजन गोष्ठी का आयोजन

खरगोन। हिन्दी में रचनात्मक लेखन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनटीपीसी खरगोन के राजभाषा अनुभाग द्वारा ÷हिन्दी सृजन गोष्ठी÷ का आयोजन 28.01.2025 को किया गया। इस कार्यक्रम में एनटीपीसी

कर्मचारियों एवं उनके परिवारजन तथा सम्बद्ध संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिन्दी में अपनी स्वरचित कविता, कहानी, लेख, संस्मरण एवं यात्रा वृतांत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम स्थानीय मंगलम हॉल में आयोजित किया गया। हिन्दी सृजन गोष्ठी में परियोजना प्रमुख श्री शुभाशीष बोस, अहिल्या महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती देविका बोस, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री वी मोहन सहित बड़ी संख्या में एनटीपीसी कर्मचारी एवं उनके परिवारजन उपस्थित थे, जो समय-समय पर तालियों की करतल ध्वनि से प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना करते रहे। कार्यक्रम के अंत में एनटीपीसी स्वर्ण जयंती पर आयोजित स्वरचित कविता प्रतियोगिता, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, स्वच्छता पखवाड़ा एवं गुणवत्ता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

जिले के रेलवे स्टेशनों पर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए कार्यपालिक मजिस्टेट नियुक्त

छतरपुर। महाकुंभ 2025 प्रयागराज उत्तर प्रदेश को दृष्टिगत रखते हुए जिला छतरपुर के अंतर्गत आने वाले रेलवे स्टेशनों पर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अति. जिला दण्डाधिकारी द्वारा कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है। जिनमें रेलवे स्टेशन ईशानगर में नायब तहसीलदार रामनरेश गौतम, छतरपुर में तहसीलदार अरविंद शर्मा, दरियागंज एवं बसारी में नायब तहसीलदार प्रतीक रजक, खजुराहो राजनगर में नायब तहसीलदार धीरज गौतम, सिंहपुर (डुमरा) में तहसीलदार अनिल तलैया, चितहरी में तहसीलदार संदीप श्रीवास्तव, रामपुर में नायब तहसीलदार रामकुमार यादव, रगौली में नायब तहसीलदार सुप्रिया बागरी एवं हरपालपुर रेलवे स्टेशन में तहसीलदार रंजना यादव की ड्यूटी लगाई गई है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

श्रमजीवी पत्रकार संघ की जिला इकाई सहित ब्लाक अध्यक्षों की घोषणा

नन्दन श्रीवात्री महासचिव नियुक्त

सिवनी- प्रांताध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया जी के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष मनीष जैन की अनुशंसा से प्रदेश कार्यकारी महासचिव सत्यनारायण वैष्णव द्वारा श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई सिवनी की नव गठित कार्यकारिणी 2025 की विधिवत घोषणा के साथ ही जिले के 7 ब्लॉक अध्यक्षों की भी घोषणा की कर दी गई है। श्रमजीवी पत्रकार संघ की जिला कार्यकारिणी में सर्वप्रथम साथी मनीष जैन जिलाध्यक्ष, मनोज मर्दन त्रिवेदी कार्यकारी अध्यक्ष (शहर), कन्हैया प्रजापति कार्यकारी अध्यक्ष (ग्रामीण), साथी रामदास ठाकुर, साथी संजीत बघेल, साथी दीवान आजम अली, साथी सुभाष चंदौरे, साथी द्वारका श्रीवास्तव, साथी सुधीर पांडे, साथी बिलाल अंसारी, साथी राजेन्द्र डहेरिया, साथी राजेश जैन उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं वहीं साथी नन्दन श्रीवात्री को महासचिव बनाया गया है इसके साथ ही साथी आगा खान, जितेन्द्र नामदेव, हरिओम सोनी, नरेश यादव को सचिव के पद पर नियुक्त किया है, साथी सत्यांश भट्ट को कोषाध्यक्ष, साथी राजदीप राहंगडाले, साथी दिलीप यादव, एवं साथी संतोष नामदेव को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है।

वहीं श्रमजीवी पत्रकार संघ की जिला कार्यकारिणी सदस्यों में साथी डाल सिंह राकेश, साथी देवराज डहेरिया, शाहिद खान, तोप सिंह पटले, जयकुमार डहेरिया, विनोद कुमार यादव, अशोक शांडिल्य, साथी आनंद चिंटू कौशल शामिल हैं।

इसी तरह श्रमजीवी पत्रकार संघ के ब्लाक अध्यक्षों की भी घोषणा कर दी गई है जिसमें बरघाट ब्लाक अध्यक्ष साथी नरेश सिंह राजपूत (दैनिक हरि भूमिं), कुरई ब्लाक अध्यक्ष साथी देवेंद्र दीक्षित(दैनिक सुदूर संदेश), छपारा ब्लाक अध्यक्ष साथी रफीक खान (देशबंधु), घंसौर ब्लाक अध्यक्ष साथी गणेश राजपूत (सामर्थ सहारा भोपाल), केवलारी ब्लाक अध्यक्ष रफीक खान (ढ्ढ ह्व ष्24), लखनादौन ब्लाक अध्यक्ष साथी शिव दयाल यादव (दैनिक दालसागर), सिवनी ब्लाक अध्यक्ष के लिए साथी संजीव क्रीडिया (विस्तार न्यूज) को दायित्व सौंपते हुए सभी ब्लॉक अध्यक्षों से विश्वास के साथ उनके नेतृत्व में ब्लॉक इकाइयां पूरे जोश के साथ कार्य करने व सभी सदस्यों के लिए ही नहीं समूचे श्रमजीवी पत्रकार साथियों के मान सम्मान की रक्षा के लिए संघर्षरत रहने की अपेक्षा व्यक्त है। श्रमजीवी पत्रकार संघ की सभी नव निर्वाचित कार्यकारिणी को बहुत बहुत बधाई शुभकामना। नवनियुक्त ब्लाक अध्यक्षों से अपेक्षा है कि आगामी 15 दिवस में आप अपनी कार्यकारिणी बनाकर जिला ईकाई से अनुमोदन प्राप्त करें।

पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन द्वारा सिवनी जिले के थानों का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

सिवनी- 29 जनवरी को को पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन, जबलपुर अनिल कुमार कुशवाह द्वारा सिवनी जिले के थाना धूमा, लखनादौन एवं बंडोल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थानों में लगे सीसीटीवी कैमरा एवं थाने की साफ-सफाई एवं बंदीगृह का निरीक्षण किया गया। आईजी महोदय द्वारा निरीक्षण के दौरान कैमरों को लगातार चालू रखने, थानों की वीसीएनबी अपडेट करने, थाना परिसर की साफ-सफाई, बंदीगृह की साफ-सफाई के संबंध में दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी लखनादौन अपूर्व भलावी एवं संबंधित थाना प्रभारी एवं थाना स्टाफ उपस्थित रहा।

तत्पश्चात निरीक्षण के क्रम में पुलिस महानिरीक्षक महोदय जिला मुख्यालय सिवनी पहुंचकर थाना कोतवाली एवं थाना लखनवाड़ा का निरीक्षण पुलिस अधीक्षक सिवनी सुनील मेहता की उपस्थिति में किये। थाना प्रभारी कोतवाली एवं थाना प्रभारी लखनवाड़ा को रिकॉर्ड दुरस्तीकरण करने, थाने की वीसीएनबी अपडेट करने एवं थाने की साफ सफाई के संबंध में दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक सिवनी सुनील मेहता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जीडी शर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती पूजा पांडे, एसडीओपी लखनादौन अपूर्व भलावी, थाना प्रभारी कोतवाली सतीश तिवारी, थाना प्रभारी लखनवाड़ा चंद्र किशोर सिरामे एवं थाना स्टाफ उपस्थित रहा।

24 फिट के विशाल वृक्ष का जीवन बचाकर रचा इतिहास

पंचतत्व के 24 वर्ष के पर्यावरण कार्य से मिल रहे परिणाम

गंज बासौदा । दैनिक सांध्य प्रकाश ।शनिवार को बरेठ रोड बस स्टेंड पर स्थित पंचतत्व की सदस्य श्रीमती रानू मुकेश सिंह राजपूत ने प्रमोद सिंह और देशांत सिंह की मदद से अपने घर में लगे चार वर्ष पुराने विशाल क्रिसमस के वृक्ष को निकालकर पंचतत्व के ही एक अन्य सदस्य लाल पठार स्थित दिलीप देसाई संदीप देसाई के गार्डन में पुनः रोपकर संरक्षित किया।

मुकेश सिंह ने बताया कि उनके मकान में एक सुंदर और हरा भरा वृक्ष लगा हुआ था जिसे उन्होंने चार वर्ष पहले लगाया था अब घर बनाते समय उनके नक्शे में क्रिसमस के इस वृक्ष को उन्होंने बचा लिया था परंतु ड्राइंग के आते ही उसे उनको हटाने की बात सामने आई तब उन्होंने पंचतत्व समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र दांगी जी से बात कर वृक्ष को अन्य जगह लगाने का निर्णय लिया।

पेड़ को अन्य जगह कैसे लगाया

सुबह पहले वृक्ष की पूजा अर्चना की और वृक्ष देवता से प्रार्थना कर मुकेश सिंह ने कहा कि हे ! वृक्ष देवता हमारा मन आपको हटाने का बिलकुल नहीं है .किंतु मजबूरी वस हमे आपको यहां से हटाना पड़ रहा है. स्वम् को बचाना अब आपको आपके उपर ही है हम तो सिर्फ आपको ले जाकर पुनः रोपण कर सकते हैं .फिर वृक्ष के चारों ओर दो दो फिट दूर से खुदाई कर लगभग 6 फिट गहराई

तक खुदाई करने के बाद पूर्ण जड़ें निकल आईं फिर वृक्ष के चारों तरफ मिट्टी के साथ जड़ों को जूट के बोरे से बांध दिया गया अब वृक्ष 18 फिट जमीन से ऊपर और 6 फिट जमीन के नीके कुल 24 फिट विशालकाय वृक्ष हो गया जिसे 20 लोगों की मदद से निकालकर एक टाटा मैजिक में रखा गया और फूल मालाओं के साथ उसे ले जाकर लाल पठार स्थित गार्डन में रोप दिया गया .इसको आगे सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी संदीप देसाई ने ली पश्चात वृक्ष देवता से सभी ने आशीर्वाद लिया. और इस तरह पंचतत्व की प्रेरणा और प्रयास से एक लहलहाते वृक्ष को एक पर्यावरण प्रेमी परिवार ने नवजीवन प्रदान करने का प्रयास किया है.निश्चित ही यह प्रसंशनीय ओर सराहनीय कार्य है क्योंकि वृक्षों में ही जीवन और वृक्षों से ही जीवन है. इस सराहनीय कार्य में मुकेश सिंह प्रमोद सिंह देशांत सिंह के अलावा

शासकीय महिला बहुउद्‌देशीय स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र में हुआ दिव्यांग शिविर का आयोजन

105 दिव्यांगजनों को प्रदाय किये गये दिव्यांग प्रमाण पत्र

मंडला--सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि कलेक्टर मण्डला के निर्देशानुसार मंगलवार को श्रवण एवं मनोरोग संबंधी दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर में डॉ. नरेन्द्रनाथ नामदेव ईएनटी विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय सिवनी एवं मनोरोग चिकित्सक डॉ. बी.आर. बरकड़े, जिला चिकित्सालय जबलपुर द्वारा सेवायें प्रदाय की गई।शिविर का उदघाटन विनोद कछ्वाहा अध्यक्ष नगरपालिका मण्डला द्वारा सरस्वती पूजन एवं वंदन के साथ प्रारंभ किया गया।इस शिविर में श्रवण बाधित,अस्थि बाधित,मनोरोग,सिकलसेल संबंधी दिव्यांगजनों की जांच की गई।शिविर में जिला मेडिकल बोर्ड मण्डला के डॉ.विजय सिंह धुर्वे सिविल सर्जन, डॉ.प्रवीण उइके आरएमओ,डॉ.सूरज मरावी अस्थि रोग विशेषज्ञ,डॉ.योगेश सिरश्याम पैथालॉजिस्ट उपस्थित रहे।उक्त शिविर में 152 दिव्यांगजनों की जांच और 105 दिव्यांगजनों को दिव्यांग प्रमाण पत्र दिए गये।उक्त शिविर को सफल बनाने में उपसंचालक सामाजिक न्याय,डी.डी.आर.सी टीम,जिला परियोजना समन्वयक टीम,के.के. उपाध्याय एपीसी,प्राचार्य महिला स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र,अजय सैयाम प्रबंधक जिला चिकित्सालय मण्डला,श्रीराम मिश्रा शाखा प्रभारी,श्री प्रदीप साहू,वीरेंद्र पाटिल आडियोलॉजिस्ट, रोहित पटैल दिव्यांग मेडिकल बोर्ड शाखा का विशेष योगदान रहा।

जोन स्तरीय खेलकूद एवं साहित्यिक प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ

नौगांव।जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान नौगांव में तीन दिवसीय जोन स्तरीय खेलकूद एवं साहित्यिक प्रतियोगिता का डाइट नौगांव में बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष अनूप तिवारी के मुख्य आतिथ्य में भव्य शुभारंभ हुआ।इस प्रतियोगिता में सागर संभाग के पांचों जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के छात्र अध्यापक भाग ले रहे हैं।समारोह में समाज सेवी संतोष गंगेले विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सागर,छतरपुर,दमोह,पन्ना एवं टीकमगढ़ के छात्र अध्यापक उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ मार्च पास्ट एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुई। बी ए सी अनुपम त्रिपाठी ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता में सौ मीटर दौड़,दो सौ मीटर दौड़,आठ सौ मीटर दौड़,गोला फैंक, भाला फैंक,कबड्डी,बैडमिंटन,कैरम,शतरंज आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है। वहीं साहित्यिक प्रतियोगिता के तहत निबंध लेखन,कविता लेखन,व्यंग लेखन,लघुकथा लेखन,वादविवाद,भाषण एवं चित्रकला आदि विधाओं में प्रतियोगिताएं हो रहीं हैं।संस्था के प्राचार्य आर के वर्मा ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार हो रही उक्त प्रतियोगिता के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई है।प्रतिभागियों के ठहरने और चाय नाश्ता से लेकर भोजन की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

थाना सुल्तानपुर की टीम ने 10 हजार के इनामी बदमाश को किया गिरफ्तार

आरोपी दो प्रकरणों में चल रहा था फरार।, इनामी बदमाश के साथ उसके अन्य 2 साथी भी पुलिस गिरफ्त में

सुल्तानपुर । पुलिस अधीक्षक रायसेन श्री पंकज कुमार पाण्डेय के कुशल निर्देशन में अति. पु.अ. श्री कमलेश कुमार खरपूसे एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग बाड़ी श्रीमति अदिती बी सक्सेना के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुल्तानपुर श्री एल डी मिश्रा के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम द्वारा ईनामी /फरार आरोपियों की तलासी लगातार की जा रही थी, इसी तारतम्य में पुलिस टीम द्वारा अपराध क्रमांक 04/2025 धारा 11(1)घ पशु क्रूरता अधिनियम एवं 6,9 गौ वंश वध अधिनियम के आरोपी शकील खान पिता लईक खान उम्र 32 साल निवासी ग्राम भौरासा जिस पर पुलिस अधीक्षक रायसेन द्वारा *10,000 /-* का इनाम घोषित है को गिरफ्तार किया गया ।

साथ ही पुलिस द्वारा उक्त प्रकरण के अन्य दो आरोपी लल्लू जावेद खान पिता रूआब खान उम्र 27 साल निवासी ग्राम भौरासा एवं रामसिंह पिता सूरज सिँह खैरवार उम्र 50 साल निवासी ग्राम भौरासा थाना बैरसिया जिला भोपाल को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। आरोपी शकील खान थाना सुल्तानपुर के एक अन्य अपराध क्रमांक 271/24 धारा 11(1)घ पशु क्रूरता अधिनियम एवं 4,6,9 गौ वंश वध अधिनियम में भी फरार चल रहा था।आरोपी शकील खान का पहले से भी आपराधिक रिकॉर्ड है।

सराहनीय भूमिका - थाना प्रभारी सुल्तानपुर निरीक्षक एल.ड़ी. मिश्रा, सउनि महेश अग्निहोत्री, सहायक उप निरीक्षक महेश ठाकुर, सहायक उप निरीक्षक राधेश्याम रघुवंशी, प्रधान आरक्षक 632 अजीत राय, प्रधान आरक्षक 531 प्रताप सिंह राजपूत, प्र.आर. 374 राहुल चौरसे, प्रधान आर. 189 बीरबल परते आर. 547 संतोष पाटिल, आर. 738 नितिन सिसोदिया, आर. 348 सुनील उइके, आर. 14 धर्मेन्द्र अटले, आर. 681 दुर्गेश जाट की सराहनीय भूमिका रही है । पुलिस अधीक्षक महोदय रायसेन द्वारा टीम को पुरूस्कृत करने की घोषणा की है ।

मौनी अमावस्या पर अष्टम कावड़ पद यात्रा मां नर्मदा जी के बरमान घाट आज से प्रारंभ

यह कावड़ यात्रा जनमानस को धर्म से जोड़ने एवं युवाओं को नशा मुक्त कराने हेतु मां नर्मदा को समर्पित

दमोह। सांसद राहुल सिंह लोधी द्वारा ÷संकल्प की अष्टम कांवड़ यात्रा÷ 151 किलोमीटर, मां नर्मदा बरमान घाट से देव श्री जागेश्वर नाथ धाम के लिए आज दिनांक 29 जनवरी (मौनी अमावस्या) से प्रारंभ की गई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुजन साथ रहे। यह यात्रा दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी द्वारा प्रतिवर्ष मां नर्मदा जी को चुनरी अर्पित कर, पूरे विधि विधान से पूजन-अर्चन कर, कलश में जल भरकर व पदयात्रा कर, बसंत पंचमी के दिन देव श्री जागेश्वर नाथ धाम बांदकपुर पहुंचकर, भगवान जागेश्वर नाथ जी का मां नर्मदा जल से अभिषेक किया जाता है।

इस अवसर पर दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी का कहना है की यह लगातार आठवीं यात्रा है, उनका यह भी कहना है की यह यात्रा आम जनमानस के साथ-साथ नई उम्र के युवाओं को धर्म से जोड़ने एवं उन्हें नशा मुक्त कराने के उद्देश्य को लेकर करते हैं। इस अवसर पर सांसद राहुल सिंह की मां राजकुमार सिंह बड़ी बहन रितु सिंह भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष दीपक मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

विराज ने जीता इंटरनेशनल पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल

आष्टा वासियों ने विराट को दी बधाई

आष्टा। शहर वासियों ने आज विराट घेंघट को इंटरनेशनल पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई दी है पिछले हफ्ते ही विराट नेपाल प्रतियोगिता में शामिल होने गया था

बता दे कि नेपाल के पोखरा शहर में आयोजित इंटरनेशनल पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में आष्टा खेल अकादमी के पावर लिफ्टर विराज घेंघट को गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ आष्टा खेल अकादमी के सचिव व कोच अशोक साहू ने बताया कि विराज ने कठिन परिश्रम करके यह पदक पाया है ।

आष्टा नगर से अभी तक विराज के अलावा किसी ने भी नेशनल में एवं इंटरनेशनल में गोल्ड नहीं जीता है इससे पहले कोई भी खिलाड़ी यहां तक नहीं पहुंचा है संस्था में कई बच्चे अभ्यास कर रहे हैं जो आने वाले समय में एक अच्छा रिजल्ट देखने को मिलेगा।

हमारा यही उद्देश्य शहर के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचे

हमारा उद्देश्य आष्टा से ज्यादा से ज्यादा भारतीय सेना में बच्चे शामिल हो एवं खेल के क्षेत्र में अपने माता-पिता एवं नगर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करे संस्था के अध्यक्ष रायसिंह मेवाड़ा द्वारा भी संस्था के होनहार खिलाड़ियों को समय समय पर मदद की जाती है ।

इन्होंने दी विराट को बधाई

विराज की इस उपलब्धि पर विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर,संस्था के संरक्षक सुधीर पाठक, अध्यक्ष रायसिंह मेवाड़ा, कुशल पाल लाला, पुष्पेंद्र मालू ,सुरेश कुशवाहा, सतीश रावत ,उमेश शर्मा, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि सोनू गुणवान ,दिनेश सोनी, प्रमोद शर्मा, प्रवीण किलोदिया आदि लोगों ने बधाइयां दी हैं ।

बैरसिया नपा अध्यक्ष ने की कन्या और गो माता की पूजा

फिर किया रोड एवं नाली का भूमिपूजन किया

बैरसिया। बैरसिया नगर पालिका परिषद÷ अंतर्गत %वार्ड नंबर 5 में जगदीश मंदिर से मदन दादा कुशवाह के घर (खड़ा कुआं) तक निर्मित होने जा रही सी.सी. रोड एवं नाली का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौर वार्ड पार्षद राधे पटेल पार्षदगण संजय कुशवाह नीरज नामदेव, रवि करोसिया साथीगण सहित गणमान्य नागरिक बंधु उपस्थित रहे।नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे ज्ञात है कि वार्ड क्रमांक 5 निवासी 20 वर्षों से नाली और रोड के लिए परेशान थे जिसे नपा अध्यक्ष ने वार्ड वासियों की समस्या का निदान करते हुए भूमि पूजन कर निर्माण कार्य चालू कराया जिसके कारण नागरिकों को गंदगी को सड़क पर पानी देने की समस्या से निदान मिलेगा इस अवसर पर क्षेत्र वासियों ने नपा अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए स्वागत कर आभार व्यक्त किया भूमि पूजन के पूर्व अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौड़ ने कन्याओं और गौ माता की पूजन कर रोड का भूमि पूजन किया इस अवसर पर कन्याओं के पैर छूकर आशीर्वाद प्राप्त किया

रीन्यू ने कुम्भ में बांट कर 1 मिलियन कंबल बांट कर गिफ्ट वार्म्थ कैंपेन के 10वें संस्करण का सफल समापन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। अग्रणी विकार्बोनीकरण समाधान कंपनी रीन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी ने अपने सालाना कैंपेन 'गिफ्ट वार्म्थ' के 10वें संस्करण को सफलतापूर्वक पूरा करने की घोषणा की है। रीन्यू ने 2015 में इस पहल की शुरूआत के बाद 1 मिलियन कंबल बांटने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल कर लिया है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे कुम्भ मेले के दौरान कंबल का आखिरी बैच वितरित कर कंपनी ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस साल रीन्यू ने प्रमुख क्षेत्रों में 200,000 से अधिक कंबल बांटें, जिसमें से मध्य प्रदेश में 22000 से अधिक कम्बल कैबिनेट मंत्री इन्दर सिंह परमार और रतलाम से विधायक मथुरा लाल दामोर द्वारा उज्जैन और रतलाम में बांटे गए। बाकी राज्यों में राजस्थान, एनसीआर, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तराखंड शामिल रहे। हाल ही में कुम्भ मेले के दौरान 23 जनवरी को उत्तर प्रदेश सरकार में ओद्यौगिक विकास, निर्यात संवर्धन, एनआरआई एवं निवेश संवर्धन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता के हाथों कंबल बंटवाकर कंपनी एक मिलियन के ऐतिहासिक आंकड़े तक पहुंच गई है।

इन्फिनिक्स ने सबसे ड्यूरेबल स्मार्टफोन स्मार्ट 9 एचडी पेश किया

मुंबई, एजेंसी। नए युग के स्मार्टफोन ब्रांड, इन्फिनिक्स ने अपना नया स्मार्टफोन, स्मार्ट 9एचडी पेश किया है। इस अत्याधुनिक डिवाईस में ड्यूरेबिलिटी, परफॉर्मेंस और स्टाईल के साथ बेजोड़ यूज़र अनुभव प्राप्त होता है। यह अपनी विशेषताओं के साथ भारतीय स्मार्टफोन बाजार में एक बड़ा परिवर्तन लेकर आ रहा है। इन्फिनिक्स के इस लेटेस्ट स्मार्टफोन का मूल्य 6699 रुपये है और यह चार आकर्षक रंगों - मिंट ग्रीन, कोरल गोल्ड, नियो टाईटैनियम, और मैटलिक ब्लैक में उपलब्ध है। यह 4 फरवरी से फ्लिपकार्ट पर मिलना शुरू होगा। स्मार्ट 9एचडी में मल्टी-लेयर्ड ग्लास फिनिश बैक के साथ बहुत आकर्षक डिज़ाईन दिया गया है, जो एंटीफिंगरप्रिंट एवं बहुत मजबूत है। अपनी फ्लैट एज और कलर-मैच्ड फ्रेम के साथ यह डिवाईस प्रीमियम फील प्रदान करती है।

भारतीय मौसम विभाग और 1वेदर ने देश में 235 मिलियन लोगों को उपलब्ध कराएगी मौसम संबंधी अलर्ट

बैंगलोर, एजेंसी। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और इनमोबी के वैश्विक स्तर पर अग्रणी मौसम की जानकारी देने वाले ऐप, 1वेदर ने लाखों भारतीयों को उनके ग्लांस-एनेबल्ड स्मार्टफोन लॉक स्क्रीन पर राष्ट्रीय मौसम संबंधी चेतावनी और अलर्ट उपलब्ध कराने के लिए एक अनूठी रणनीतिक साझेदारी की है। आईएमडी और इनमोबी के बीच समझौता पत्र (एलओए) 235 मिलियन भारतीय स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को अपने फोन को अनलॉक किए बिना, तुरंत मौसम स्थितियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएगा। यह विशिष्ट अनुभव न केवल नागरिकों को सुरक्षित और तैयार रहने में मदद करेगा, बल्कि आपातकालीन स्थितियों के दौरान बड़े पैमाने पर त्वरित कार्रवाई की सुविधा भी प्रदान करेगा।

द वन एंड ओनली—एक प्रतिष्ठित और फैशनेबल दुनिया का प्रवेश द्वार

मुंबई, एजेंसी। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने अब तक के अपने सबसे प्रतिष्ठित संस्करण का अनावरण किया है, जिससे द वन एंड ओनलीदुनिया की रचना होती है, जहां फैशन केवल एक शुरुआत है। टूर का 2025 संस्करण एक अत्याधुनिक अवतार प्रस्तुत करेगा, जो असाधारणता की सीमाओं को पार करेगा और वैश्विक फैशन, संगीत और मनोरंजन के शानदार प्रदर्शन लेकर आएगा, जो पूर्ण विस्मय से भर देंगे। फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ एक बार फिर जुड़ते हुए, फैशन टूर अपनी ग्लैमरस और भव्य पहचान का जश्न मनाएगा। इसमें भारत के सबसे चर्चित फैशन विशेषज्ञों के साथ-साथ देश के सबसे आकर्षक स्टाइल आइकन्स भी शामिल होंगे, जो निश्चित रूप से पूरे देश का ध्यान आकर्षित करेंगे।हर शहर में, यह टूर अलग-अलग कहानियां रचेगा, जो इसकी प्रतिष्ठित दुनिया की अनूठी व्याख्याओं को प्रदर्शित करेगी।

'शार्क टैंक इंडिया 4' में दिखा आरबीडी मशीन टूल्स का प्रेरणादायक सफर

मुंबई, एजेंसी। खेती अगर ज्यादा आसान, अधिक कुशल एवं फायदेमंद हो जाए तो आरबीडी मशीन टूल्स को लाने के पीछे यही सोच है। यह नई पहल करने वाला एक स्टार्टअप है, जो भारत में खेती में बड़ा बदलाव ला रहा है। राजस्थान के एक छोटे-से गांव के देवेन्द्र कुमार टेलर और भूपेन्द्र कुमार टेलर द्वारा स्थापित इस कंपनी का लक्ष्य किसानों को नये-नये टूल्स तथा टेक्नोलॉजी से सशक्त करना है। ग्राहक को सबसे अधिक महत्व देने के नजरिये के साथ, आरबीडी मशीन टूल्स गुणवत्ता एवं किफायत के साथ ही किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है।

अब नहीं बच पाएंगे ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले! आधार से लिंक होंगे वाहन आरसी और डीएल, चालान भुगतान अनिवार्य

अब आधार लिंकिंग से इस समस्या का समाधान करने की योजना बनाई जा रही है।

नई दिल्ली। अगर आप ट्रैफिक नियम तोड़ने के बाद चालान भरने से बचने के लिए मोबाइल नंबर या पता बदलते हैं, तो अब यह तरीका काम नहीं करेगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (स्नश्चञ्ज॥) जल्द ही वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (ऋष्ट) और ड्राइविंग लाइसेंस (ष्ठरु) को आधार से लिंक करने का नया नियम लागू करने जा रहा है। इस फैसले से चालान कटने पर वाहन मालिक और चालक का सही पता आसानी से मिल सकेगा, जिससे जुर्माने की वसूली में तेजी आएगी।

क्यों जरूरी हो रहा यह नियम?

मंत्रालय मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन करने की योजना बना रहा है ताकि सड़क पर यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। वर्तमान में 12,000 करोड़ रुपए से अधिक के ई-चालान लंबित हैं क्योंकि वाहन मालिकों की जानकारी सही तरीके से अपडेट नहीं की गई है।

अक्सर देखा गया है कि ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले लोग चालान से बचने के लिए मोबाइल नंबर बदल लेते हैं या नया ड्राइविंग लाइसेंस बनवा लेते हैं। इससे परिवहन विभाग को चालान जारी करने और जुर्माने की वसूली में दिक्कत होती है। अब आधार लिंकिंग से इस समस्या का समाधान करने की योजना बनाई जा रही है।

ड्राइविंग लाइसेंस और RC का पुराना डेटाबेस बना समस्या-

परिवहन विभाग के डेटाबेस में 60, 70 और 90 के दशक की गाड़ियों और ड्राइविंग लाइसेंस के रिकॉर्ड मौजूद हैं, जिनमें से कई में मोबाइल नंबर, आधार लिंक या अपडेटेड पते की जानकारी नहीं है। इससे ट्रैफिक नियमों को सख्ती से लागू करने में परेशानी होती है। सरकार अब ऐसी व्यवस्था बना रही है जहां वाहन मालिकों और लाइसेंस धारकों को अपना विवरण अनिवार्य रूप से अपडेट करना होगा।

कैबिनेट ने ईएसवाई 2024-25 के लिए इथेनॉल खरीद मूल्य संशोधित करने की मंजूरी दी

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के लिए इथेनॉल खरीद मूल्य में संशोधन को मंजूरी दी है।

यह अवधि 1 नवंबर 2024 से 31 अक्टूबर 2025 तक होगी। संशोधित मूल्य निर्धारण तंत्र के तहत, सी हेवी शीरा (ष्ट॥रू) से प्राप्त इथेनॉल का नियंत्रित एक्स-मिल मूल्य बढ़ाकर 57.97 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जो पहले 56.58 रुपये प्रति लीटर था।

इस संशोधन का उद्देश्य मूल्य स्थिरता प्रदान करना और इथेनॉल आपूर्तिकर्ताओं को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है, जिससे इथेनॉल उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा, सरकार जीएसटी और परिवहन शुल्क को अलग से वहन करना जारी रखेगी, जिससे गन्ना किसानों को बेहतर लाभ मिलेगा।

इस निर्णय से कई महत्वपूर्ण लाभ होने की उम्मीद है, जिनमें कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना शामिल है। सरकार सक्रिय रूप से ईबीपी कार्यक्रम को लागू कर रही है, जिसके तहत ओएमसी इथेनॉल को 20त्र तक पेट्रोल में मिलाती हैं, यह कदम वैकल्पिक और पर्यावरण-अनुकूल ईंधन के उपयोग को समर्थन देने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को लाभ पहुंचाने में मदद करता है।

पिछले एक दशक में, इथेनॉल मिश्रण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे महत्वपूर्ण बचत हुई है। 31 दिसंबर 2024 तक, ईबीपी कार्यक्रम ने 1,13,007 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत की है और लगभग 193 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल के प्रतिस्थापन में योगदान दिया है।

ईएसवाई 2013-14 में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर ईएसवाई 2023-24 में 707 करोड़ लीटर हो गया है, जिससे औसत मिश्रण दर 14.60त्र तक पहुंच गई है। सरकार ने 2030 के बजाय ईएसवाई 2025-26 तक 20त्र इथेनॉल मिश्रण लक्ष्य को प्राप्त करने की योजना बनाई है और ईएसवाई 2024-25 में 18त्र मिश्रण दर प्राप्त करने के प्रयास चल रहे हैं।

इस लक्ष्य का समर्थन करने के लिए, इथेनॉल आसवन क्षमता को 1,713 करोड़ लीटर प्रति वर्ष तक बढ़ाने, समर्पित इथेनॉल संयंत्रों के लिए दीर्घकालिक खरीद समझौतों की सुविधा प्रदान करने, बहु-ईंधन डिस्टिलरी को प्रोत्साहित करने और ई-100 और ई-20 ईंधन की उपलब्धता को बढ़ावा देने जैसे विभिन्न उपाय किए गए हैं।

इसके अलावा, फ्लेक्सी-फ्यूल वाहनों की शुरुआत से इथेनॉल अपनाने में तेजी आने की उम्मीद है। ईबीपी कार्यक्रम ने महत्वपूर्ण निवेश के अवसर प्रदान किए हैं, जिससे ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड डिस्टिलरी की स्थापना, भंडारण और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे में सुधार और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिला है। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करती है, जिससे घरेलू इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा मिलता है और गन्ना किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाता है। इन प्रगतिशील कदमों के साथ, सरकार इथेनॉल उत्पादन को बढ़ाने, संसाधनों के इष्टतम उपयोग को सुनिश्चित करने और सतत और पर्यावरण-अनुकूल ईंधन विकल्पों के माध्यम से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मेले में माला बेचने वाली मोनालिसा फिल्म में लीड किरदार निभाएंगी

प्रयागराज के महाकुंभ में वायरल हुई माला बेचने वाली मोनालिसा के हाथ अब बॉलीवुड फिल्म आ गई। वे राजकुमार राव के भाई के साथ फिल्म में मेन लीड निभाने जा रही हैं। महाकुंभ में कजरारी आंखों और प्यारी सी मुस्कान के चलते वायरल हुई मोनालिसा अब अपने घर यानी इंदौर के नजदीक महेश्वर लौट चुकी हैं। पूरे महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में ही रूक कर रुद्राक्ष माला बेचने वाली थीं, लेकिन 15 दिनों के अंदर ही उन्हें महाकुंभ छोड़ना पड़ा। लेकिन, अब मोनालिसा फिल्म करने जा रही हैं।

मोनालिसा को डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने अपनी फिल्म में 'द डायरी ऑफ मणिपुर' के लिए कास्ट किया है। सनोज मिश्रा उनके गांव गए, जहां मोनालिसा ने उनसे मिलने के बाद फिल्म साइन कर ली है। फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' में मोनालिसा लीड भूमिका में नजर आएगी। फिल्म की शूटिंग से पहले उन्हें मुंबई में एक्टिंग की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। सनोज मिश्रा फिल्म्स के बैनर तले बनने जा रही इस फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' के लेखक, निर्माता और निर्देशक सनोज मिश्रा हैं। फिल्म के को-प्रोड्यूसर यामीन खान और जावेद देवरियावाले हैं।

महाकुंभ से अपने घर लौटीं मोनालिसात्र कुंभ में अचानक इंटरनेट पर वायरल होने के बाद मोनालिसा की सुंदरता और आकर्षक व्यक्तित्व ने मेले में आने वाले लोगों का ध्यान खींचा। तभी सनोज मिश्रा ने सोच लिया कि मोनालिसा को वह अपनी फिल्म में कास्ट करेंगे। हालांकि, मोनालिसा को अपना काम छोड़कर अपने घर लौटना पड़ा था। क्योंकि, वायरल होने के कारण न तो वो माला बेचने का अपना काम ठीक से कर पा रही थी और न ही चैन की सांस ले पा रही थी। लोग उनके आगे-पीछे कैमरा लेकर घूमने लग गए थे।

राजकुमार राव के भाई के साथ काम करेंगी मोनालिसात्र डायरेक्टर सनोज मिश्रा इन दिनों फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की तैयारी में जुटे हैं। ये फिल्म मणिपुर के ज्वलंत मुद्दे पर आधारित है। इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड स्टार राजकुमार राव के बड़े भाई अमित राव भी बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। सनोज मिश्रा ऐसे डायरेक्टर हैं, जो समाज के ज्वलंत मुद्दे पर फिल्म बनाते हैं। चाहे उनकी फिल्म 'काशी टु कश्मीर' हो या फिर 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' हो, उनकी इस फिल्म का काफी विरोध हुआ था। यहां तक कि उन्हें जान से मारने की धमकियां भी मिली थी। लेकिन, बिनी इसकी परवाह किए सनोज मिश्रा ने फिल्म रिलीज की और लोगों ने इन्हें खूब पसंद भी किया।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही और में अपने बेहतरीन परफॉरमेंस को जारी

इंदौर, एजेंसी। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड (एसपीआईएल) ने 31 दिसंबर 2024 को खत्म होने वाली तिमाही और नौ महीने समाप्त होने पर वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन, श्री दिनेश पाटीदार ने कंपनी के परफॉरमेंस पर हर्ष जताते हुए कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारी कंपनी ने प्रतिष्ठित ग्रेट प्लेस टू वर्क सर्टिफिकेट प्राप्त किया है, जो हमारी मजबूत और मोटीवेटेड टीम की बदौलत हासिल हुआ है, जिसने कंपनी के विकास में अपना योगदान दिया है। कंपनी को मिले ऑर्डर्स के परफॉरमेंस और इफिशिएंसी के कारण स्ट्रोंग फाइनेंशियल परफॉरमेंस के कारण बेहतरीन वित्तीय प्रदर्शन किया है, जिसके परिणामस्वरूप मार्जिन में भी बढ़ोतरी हुई है।

31 दिसंबर 2024 तक, कंपनी के पास कुल 2070 करोड़ रुपये (जीएसटी सहित) के ऑर्डर थे, जिन्हें अगले एक साल में पूरा करना है। इस तिमाही में, कंपनी को महाराष्ट्र की मैगेल त्याला सौर कृषि पंप स्कीम के तहत 25,000 पंपों के लिए 754.3 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर मिला। इसके अलावा, हरियाणा रिन्यूएबल एनर्जी डिपार्टमेंट (एचएआरईडीए) से 3,174 पंपों के लिए 116.36 करोड़ रुपये का ऑर्डर भी प्राप्त हुआ। कंपनी ने केवल पीएम-कुसुम योजना पर निर्भर न रहकर अन्य योजनाओं से भी ऑर्डर लेना शुरू किया है। इस विविधता की वजह से, कंपनी को अपने भविष्य के विकास पर पूरा भरोसा है।

निजी संघर्ष से लेकर अभिनव सॉल्यूशन तकः अश्वाकी फाउंडर अनमोल सक्सेना का सफर

मुंबई, एजेंसी। ज़रा सोचिए कि आप अपने घुटने की सेहत के बारे में बिना डॉक्टर के पास गए, घर बैठे ही जान सकते हैं। और वो भी बिल्कुल सही-सही! ये सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन अब येसच हो रहा है।अश्वावियरेबलटेक्नोलॉजीजने एक ऐसी डिवाइस बनाई है जो आपके घुटने की सेहत पर पूरी नज़र रखती है। ये डिवाइस हेल्थकेयरसेक्टर में खूब धूम मचा रही है और बहुत ही खास है क्योंकि इसमें आर्टिफिशियलइंटेलीजेंसका इस्तेमाल किया गया है।ये डिवाइस आपके घुटने के बारे में सारी जानकारी जुटाती है और फिर उस जानकारी को समझकर आपको बताती है कि इस रिपोर्ट में आपके घुटने के बारे में सबकुछ लिखा होता है, जैसे कि आपके घुटने में कोई चोट तो नहीं है, या फिर कोई पुरानी बीमारी तो नहीं है।अश्वा कंपनी की स्थापनाअनमोल अजय सक्सेना ने की है। अनमोल गाज़ियाबाद की रहने वाली हैं और उन्हेंखुद घुटनों की समस्या थी। अश्वा के लिये उन्हें अपने ही अनुभवों से प्रेरणा मिली। अनमोल इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से हैं और फिजियोथैरैपिस्ट्स के साथ वर्षों तक काम करने के बाद उन्होंने अपनी विशेषज्ञता के दम पर एक अभिनव समाधान विकसित किया।

वित्त वर्ष 2025 का केंद्रीय बजटः इन्फ्रास्ट्रक्चर ड्रिवन ग्रोथ का ब्लूप्रिन्ट

मुंबई, एजेंसी। जैसा कि हम 2025-26 के केन्द्रीय बजट की ओर देखते हैं, यह स्पष्ट है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर व्यय इकोनॉमी ग्रोथ और विकास का एक प्रमुख चालक होगा। 2024-25 के बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए सरकार ने 11.1 लाख करोड़ रुपए के आवंटन के साथ पहले से ही एक मजबूत आधार तैयार किया है, हम उम्मीद करते हैं कि रेलवे, रक्षा, बिजली और डेटा सेन्टर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में यह गति तेज होगी। हालांकि, इन निवेशों की क्षमता को पूरी तरह से समझने के लिए, लक्षित उपाय और प्रोत्साहन जरुरी हैं। आगामी बजट में सभी क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए, जिससे मांग को बढ़ावा देने और लांग टर्म डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन मिले। सरकार के लिए नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करना महत्वपूर्ण है, जिसमें पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान और जल जीवन मिशन (जेजेएम) जैसी इनिशिटिव्सं पर विशेष जोर दिया गया है।

पुलिस एसआई के 800 पदों को भरे जाने की योजना, भर्ती में संशोधन का नोटिफिकेशन जारी, 7 साल से नहीं निकली वेकेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर की भर्ती में नियमों में हाल ही में संशोधान कर युवाओं के मन में इस पद पर नौकरी की आस राज्य शासन ने भले ही जगा दी हो, लेकिन हकीकत यह है कि पिछले पांच साल में कई बार उपनिरीक्षकों की भर्ती के लिए कई प्रस्ताव गृह विभाग तक पहुंचे, लेकिन बैरंग ही वापस पुलिस मुख्यालय तक आ गए।

नियमों में संशोधन का नोटिफिकेशन जारी हो गया, लेकिन हाल ही में गृह विभाग के पास पुलिस मुख्यालय से कोई नया प्रस्ताव नहीं पहुंचा है।

सूत्रों की मानी जाए तो पुलिस मुख्यालय में उपनिरीक्षकों की सीधी भर्ती के लिए अब नया प्रस्ताव तैयार हो रहा है। जिसमे करीब 800 पदों को भरे जाने के लिए इतने पद पर भर्ती करने की योजना पुलिस मुख्यालय के चयन शाखा की है। दरअसल प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षकों की आखिरी भर्ती 2017 में हुई थी, जो वर्ष 2016 की भर्ती थी। इसके बाद से अब तक उपनिरीक्षकों की भर्ती प्रदेश पुलिस में नहीं हो सकी है। वहीं सीधी भर्ती के उपनिरीक्षकों के पद लगातार खाली होते जा रहे हैं। जिन्हें पुलिस मुख्यालय ने सहायक उपनिरीक्षकों को वन टर्म पदोन्नति देकर कार्यवाहक उपनिरीक्षक बना दिया था। इसके बाद भी उपनिरीक्षकों के कई पद अभी प्रदेश में खाली हैं। इन्हें भरने के लिए अब आठ सौ उपनिरीक्षकों की भर्ती निकाले जाने के प्रयास कर रहे हैं। इससे पूर्व में पांच सौ उपनिरीक्षकों की भर्ती के प्रस्ताव शासन स्तर तक भेज जा चुके थे, लेकिन इन प्रस्तावों को मंजूरी नहीं मिली। अब नियमों में संशोधन के बाद यह उम्मीद जागी है कि जल्द ही उपनिरीक्षकों की भर्ती के प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाएगी।

हर बार बनती रही योजना

वर्ष 2017 में भी भर्ती के प्रयास हुए थे, इस दौरान करीब 250 उपनिरीक्षकों की भर्ती का प्रस्ताव बनाया गया था, यह प्रस्ताव करीब दो साल तक चलता रहा। इसके बाद कोविड का दौर आ गया था, इसके चलते भर्ती का दो साल तक कोई प्रस्ताव नहीं बना। इसके बाद दो साल से फिर प्रस्ताव बनाए जा रहे हैं, लेकिन अब तक किसी भी प्रस्ताव को हरी झंडी नहीं दी गई।

महाकुंभ में भगदड़ के बाद इसलिए हो रही.. 2009 बैच के आईएएस अधिकारी की चर्चा

महाकुंभ में आने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए यूपी सरकार ने महाकुंभ मेला नाम से अस्थाई जिला स्थापित किया है.

भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2009 बैच के अधिकारी द्बस् विजय किरण आनंद मेला अधिकारी के रूप में इसकी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं.

महाकुंभ के दूसरे अमृत स्नान पर मौनी अमावस्या के दिन भगदड़ मच गई, जिसमें अभी तक आ रही खबरों के अनुसार 30 लोगों की मौत हो चुकी है और कोई 80 लोग घायल हुए हैं।

महाकुंभ में भगदड़ के बाद महाकुंभ मेला की जिम्मेदारी संभाल रहे डीएम विजय किरण के नाम की भी चर्चा तेज हो गई है. महाकुंभ मेला की जिम्मेदारी संभाल रहे विजय किरण आनंद का द्बस्बनने तक का सफर बेहद रोचक रहा है. विजय किरण की चार्टेड अकाउंटेंट की पढ़ाई से यूपीएससी क्रैक करने की कहानी बेहद ही रोचक है.

13 जनवरी से शुरू हुआ महाकुंभ का पर्व अगले महीने 26 फरवरी को छठवे व आखिरी स्नान के साथ समाप्त हो जाएगा. हर दिन बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं की भीड़ महाकुंभ संगम स्नान करने के लिए पहुंच रही है. इस भव्य, दिव्य और सुरक्षित महाकुंभ आयोजन को संभालने की जिम्मेदारी द्बस् अधिकारी विजय किरण आनंद के पास है.

द्बस् के साथ एक योग्य सीए भी हैं विजय किरण

विजय किरण आनंद ने साल 2008 संघ लोक सेवा आयोग (क्क्रस्ष्ट) की सिविल सेवा परीक्षा क्रैक की थी. वह 2009 बैच के यूपी कैडर के द्बस् अधिकारी हैं. बेंगलुरू में जन्में आईएएस विजय किरण आनंद एक योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट भी हैं. विजय किरण ने शुरुआत में उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एसडीएम के पद की जिम्मेदारी संभाली थी. बागपत में दो साल तक सेवा देने के बाद उनका ट्रांसफर बाराबंकी कर दिया गया, यहां उन्हें मुख्य विकास अधिकारी के पद पर तैनात किया गया.

विजय किरण आनंद यूपी के मैनपुरी, उन्नाव, फिरोजाबाद, वाराणसी और शाहजहांपुर में जिलाधिकारी के पद पर तैनात रहे हैं. उन्हें माघ और कुंभ मेले की जिम्मेदारी दी गई थी. 2017 में उन्हें माघ मेला और 2019 में अर्ध कुंभ मेला का अधिकारी बनाया गया था. उन्होंने पंचायती राज, सिंचाई और बेसिक शिक्षा जैसे विभागों में भी अपनी सेवाएं दी. इस साल उन्हें अपने करियर की सबसे बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है. उन्हें महाकुंभ 2025 के लिए मुख्य अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है.

महाकुंभ के लिए बनाया अस्थाई जिला

कुंभ मेला 2025 में शामिल होने वालो लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ मेला जिला नाम का एक अस्थायी जिला स्थापित किया. इस जिले में चार तहसीलों के 67 गांव शामिल हैं और इसका प्रशासन द्बस् अधिकारी विजय किरण आनंद चला रहे हैं जिन्हें यहां का जिला मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है.

बेहतर कार्य के लिए पीएम मोदी ने किया था सम्मानित

मेला अधिकारी की भूमिका उनके विशाल अनुभव का परिणाम है. उनकी इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें सिविल सेवा दिवस पर प्रधानमंत्री पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया और पीएम ने उन्हें स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया था.

सी.एम.ओ पूजा बुनकर सम्मानित, अन्य सी.एम.ओ नाराज

छिंदवाड़ा। गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में दमुआ की मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर को कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा सम्मानित किया गया जिले के सी.एम.ओ ने उन्हें बधाई दी है कई सी.एम.ओ को उम्मीद थी कि उनके कार्यों को देखते हुये उन्हे भी पुरूस्कृत किया जावेगा।

नव नियुक्त कांग्रेस नेत्रियों संतोषी गजभिये और सविता कनोजिया का हुआ स्वागत

छिंदवाड़ा - पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा 28 जनवरी को सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। इसी क्रम में श्रीमती संतोषी को अनुसूचित जाति के जिलाध्यक्ष, श्रीमती सविता कनोजिया को ग्रामीण जिला अध्यक्ष का प्रमाण पत्र दिया गया। जब यह जानकारी पासिया विकासखण्ड ग्राम भोकई में लगने पर ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त की और दोनों नव नियुक्त नेत्रियों श्रीमती संतोषी गजभिये एवं सविता कनोजिया के ग्राम में आगमन पर सर्वप्रथम मंदिर में पूजा अर्चना की एवं रैली निकालकर, ढोल बाजों के साथ आरती उतारकर, टीका लगाकर, हार मालाएं पहनाकर फूलों की वर्षा कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित थे।

कांग्रेस मनायेगी बापू की पुण्यतिथि

छिंदवाड़ा। आजाद भारत का सपना देखने व उसे साकार करने के लिये निरंतर संघर्ष व आंदोलन कर अंग्रेजों को भारत से खदेड़कर देश को उनकी गुलामी से आजाद कराने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) पर कांग्रेस के द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। सर्वप्रथम स्थानीय गांधी चौक (फव्वारा चौक) पर कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसके उपरांत समस्त कांग्रेसजन गांधी गंज पहुंचकर महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। शहर कांग्रेस के तत्वाधान में आज 30 जनवरी को स्थानीय गांधी चौक (फव्वारा चौक) पर दोपहर 2 बजे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के पश्चात प्रिय भजन रघुपति राघवराजा राम का गायन किया जायेगा। महात्मा गांधी चौक के पश्चात समस्त कांग्रेसजन गांधी गंज पहुंचकर महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष पप्पू यादव ने कांग्रेस के समस्त विभाग व प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपील की है कि सभी अधिक से अधिक संख्या में महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित होकर बापू को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करें।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन 31 मार्च तक

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश शासन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल द्वारा जारी निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये किसान पंजीयन और उपार्जन प्रक्रिया का निर्धारण किया गया है, जिसके अनुसार 20 जनवरी 2025 से पंजीयन प्रारंभ हो चुका है जो आगामी 31 मार्च 2025 तक किया जायेगा, जिसमें निर्धारित अवधि में किसान अपना पंजीयन कर सकते है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि किसान स्वयं के मोबाईल से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। इसके अलावा पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था के अंतर्गत ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र, सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र और एम.पी.किसान एप के माध्यम से पंजीयन कराया जा सकता है। इसी प्रकार पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था के अनुसार एमपी ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे के माध्यम से भी पंजीयन कराया जा सकता है। गेहूं उपार्जन के लिये किसान पंजीयन प्रक्रिया के पूर्व बैंक खाता आधार से लिंक करायें, आधार डाटाबेस में सही मोबाईल नंबर दर्ज कराया जाये, पंजीयन में सही आधार नंबर की प्रविष्टि कराना आवश्यक है।

सीएमओ ने जन्मदिन पर स्कूल के बच्चों को बांटी शैक्षणिक सामग्रियां

बिछुआ। नगर परिषद बिछुआ के मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष कुमार मेरावी ने अपने जन्मदिन के मौके पर वन ग्राम माजियापार और पानाथावड़ी के शासकीय स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्रियों का वितरण किया गया। सीएमओ आशीष कुमार मेरावी की इस अच्छी पहल की समाजसेवियों ने सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। स्कूल में बच्चों के साथ जन्मदिन मनाते समय निकाय के स्वच्छता निरीक्षक उत्तम कुमार नेर्रे समेत शासकीय महाविद्यालय बिछुआ के महाविद्यालयीन प्राध्यापक उपस्थित थे।

तामिया के ग्राम हरसदिवारी में मत्स्य उत्पादन का निरीक्षण करने पहुंचे कलेक्टर

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा की धरती पर महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की एक नई कहानी लिखी जा रही है। जिले के विकासखंड तामिया के ग्राम हरसदिवारी के सीएम सरोवर में दुर्गा स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में नवाचार करते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बढ़ाया है। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की प्रेरणा और सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार के मार्गदर्शन में ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व सहायता समूहों के माध्यम से मत्स्य पालन का नवाचार किया गया है।

महादेव मेले की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने किया पहली पायरी जुन्नारदेव विशाला का निरीक्षण

जुन्नारदेव क्षेत्र के विकास के संबंध में जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों से चर्चा की

छिंदवाड़ा। आगामी महादेव मेले की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह बुधवार को अनुविभाग जुन्नारदेव पहुंचे और सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार के साथ पहली पायरी जुन्नारदेव विशाला में मंदिर एवं पूरे परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम जुन्नारदेव सुश्री कामिनी ठाकुर और सीईओ जनपद पंचायत जुन्नारदेव सुश्री रश्मि चौहान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के यातायात प्रबंधन से लेकर सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली व्यवस्था आदि के संबंध में समुचित व्यवस्था बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा - निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों से सुझाव भी लिए। चर्चा के दौरान पहली पायरी जुन्नारदेव विशाला मंदिर परिसर में निर्मित धर्मशाला के समुचित विकास का सुझाव दिया गया, जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने वन क्षेत्र होने के कारण एसडीएम जुन्नारदेव को वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सामुदायिक दावा का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

स्थानीय जनों द्वारा पहली पायरी जुन्नारदेव विशाला को ट्रस्ट बनाए जाने का भी सुझाव दिया। जिसकी आवश्यकता को देखते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने इस संबंध में रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। जिसके आधार पर आगामी कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने जुन्नारदेव क्षेत्र के विकास के संबंध में भी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से चर्चा की और विभिन्न सुझाव भी दिए। साथ ही आश्वस्त किया कि प्रशासन क्षेत्र के विकास को लेकर सकारात्मक है, क्षेत्रवासियों की सक्रियता और सहयोग से ही क्षेत्र का समुचित विकास सुनिश्चित होगा।

शिक्षा का स्तर उत्तम पाए जाने पर कलेक्टर ने निरीक्षण पंजी में दिया रिमार्क

कलेक्टर ने किया प्राथमिक शाला बिलावरखुर्द का आकस्मिक निरीक्षण

छिन्दवाड़ा कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने आज सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार के साथ जिले के अनुविभाग जुन्नारदेव के भ्रमण के दौरान शासकीय प्राथमिक शाला का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कक्षा 1 से लेकर 5 तक के बच्चों की कक्षाओं में पहुंचकर उन्हें पढ़ाई जा रहे विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे। हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा के ज्ञान का भी परीक्षण किया। इस दौरान बच्चों की शिक्षा का स्तर उत्तम पाया गया, जिसके लिए कलेक्टर श्री सिंह ने खुशी और संतोष जाहिर करते हुए मौके पर उपस्थित शिक्षिका श्रीमती आरती इवनाती की सराहना की। शाला में एक और शिक्षिका पदस्थ हैं, जो आज अनुमति के बाद आकस्मिक अवकाश पर थीं। बच्चों को हिंदी के साथ ही अंग्रेजी भाषा के पाठ्यक्रम का भी ज्ञान होने पर कलेक्टर ने दोनों शिक्षिकाओं द्वारा की जा रही मेहनत की प्रशंसा की और इसी तरह लगन से अध्यापन कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने निरीक्षण पंजी में थैंक्स टू टीचर्स रिमार्क दिया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार और एसडीएम जुन्नारदेव सुश्री कामिनी ठाकुर ने भी अलग-अलग कक्षाओं के बच्चों के भाषा ज्ञान को परखा। शाला के निरीक्षण के बाद मध्याह्न भोजन के किचेन शेड और भंडार कक्ष का भी निरीक्षण किया। जहां भी स्थिति संतोषजनक पाई गई। इसके बाद कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम खमराकलां में निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण किया, जिसमें दरवाजा न लगा होने और फिनिशिंग कार्य अधूरा पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और शीघ्र गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए। इस दौरान सीईओ जनपद पंचायत सुश्री रश्मि चौहान और पंचायत का स्थानीय अमला भी मौजूद था।

सांसद विवेक साहू ने 5 लोगों को दिलाई आर्थिक मदद

मुख्यमंत्री ने स्वेच्छानुदान मद से दी एक लाख 90 हजार की आर्थिक सहायता

छिंदवाड़ा। सांसद विवेक साहू ने जरूरतमंद 5 मरीजों को एक लाख 90 हजार की आर्थिक मदद दिलाई है। सांसद श्री साहू की पहल पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 5 लोगों को स्वेच्छानुदान मद से एक लाख 90 हजार की आर्थिक सहायता दी है। जिन मरीजों को लाभ प्राप्त हुआ है उनमें श्रीमती राजकुमारी बरखे पत्नि भगवान दास बरखे निवासी गुरैया रोड रानी कामता परतला पंचवती वार्ड 48 छिंदवाड़ा को 30 हजार, मुकेश यदुवंशी पिता छोटेलाल निवासी वार्ड नं. 18 परासिया रोड साई मंदिर के पास सुकरी जमाई को 45 हजार, भीम कारसोने पिता गुलाब निवासी वार्ड नं. 39 बैतूल रोड दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास तिवडा कामथ को 45 हजार, निमेश ब्रम्हे निवासी वार्ड न. 35 गली न. 15 नागद्वार चौक गुलाबरा को 45 हजार, शिवानी धनगर निवासी सारना को 25 हजार शामिल है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों सांसद बंटी विवेक साहू से मरीजों और उनके परिजनों ने आर्थिक सहायता दिलाने कि गुहार लगाई थी, जिसे गंभीरता से लेते हुए सांसद श्री साहू ने तत्काल ही मुख्यमंत्री श्री यादव को पत्र प्रेषित कर 5 मरीजों को आर्थिक सहायता दिलाने कि मांग की थी। सांसद के प्रयास से सहायता मिलने पर गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीज का प्राइवेट अस्पताल में इलाज हो सकेगा। आर्थिक सहायता मिलने पर मरीजों और उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री और सांसद का आभार व्यक्त किया है।

लगभग 500 मीटर 33 के.व्ही. लाईन की अज्ञात चोरी से तीन सबस्टेशनों की विद्युत सप्लाई बाधित

छिन्दवाड़ा। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड छिंदवाड़ा के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि 27 जनवरी 2025 को रात्री लगभग 12:30 बजे (संचा/संधा.) पूर्व संभाग म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड छिंदवाड़ा के अंतर्गत उमरानाला-व्दितीय 33 के.व्ही. फीडर जो कि 132 के.व्ही. चन्दनगाँव से निकलते हुए 33 के.व्ही. सबस्टेशन सारोठ तक जाता है। कुल मिलाकर इस फीडर व्दारा 03 सबस्टेशनों से 33 के.व्ही. विद्युत सप्लाई दी जाती है। 33 के.व्ही. उमरानाला, 33 के.व्ही. मउ एवं 33 के.व्ही. सारोठ जिसमें लगभग 11000 उपभोक्ताओं घरेलू एवं पम्पों को मिलाकर विद्युत सप्लाई की जाती है। इन फीडरों की लगभग 500 मीटर 33 के.व्ही. लाईन को अज्ञात चोरों व्दारा चुरा लिया गया है, जिसके बाद इन तीनों सबस्टेशनों की विद्युत सप्लाई बाधित हो गई है।

कमलनाथ के प्रयासों से ओबीसी वर्ग को मिला सत्ताईस फीसदी आरक्षण का हकः बैजू वर्मा

प्रदेश में पहली दफा तात्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ली थी ओबीसी की सुध भाजपा सरकार के सारे षड्यंत्र हुए विफल, नाथ के निर्णय को उच्च न्यायालय ने भी ठहराया उचित पूर्व सीएम कमलनाथ ने सभी शासकीय भर्तियों में इस तत्काल लागू करने सीएम से किया आग्रह

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के अथक प्रयासों से ओबीसी वर्ग को उनकी मंशानुसार शासकीय भर्तियों में आरक्षण का लाभ प्राप्त होगा। मप्र में पहली दफा कमलनाथ सरकार के द्वारा ओबीसी वर्ग को शासकीय भर्तियों में 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का फैसला लिया था जिसके उपरांत ओबीसी विरोधी भाजपा सरकार ने विभिन्न माध्यमों से षड्यंत्र कर ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण से वंचित रखने की भरपूर कोशिशें की, किन्तु अंत में जीत सच्चाई की हुई। उक्त उदगार आज जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग जिलाध्यक्ष बैजू वर्मा ने व्यक्त किए हैं। श्री बैजू वर्मा ने जारी बयान में आगे कहा कि अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में कमलनाथ ने मार्च 2019 में प्रदेश के ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने का ऐतिहासिक फैसला किया था। दिनांक 19 मार्च 2019 को उच्च न्यायालय ने पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल विषयों के लिए 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर स्थगन दिया, किन्तु यह स्थगन केवल कुछ नौकरियों के लिए था। इसके उपरांत ओबीसी के रिजर्वेशन की सभी बाधाओं को दूर करने के लिए जुलाई 2019 में कमलनाथ सरकार ने विधानसभा से 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का कानून भी पास किया था। किन्तु भाजपा ने षड्यंत्र कर कांग्रेस की सरकार गिरा दी और फिर तात्कालीन सीएम श्री कमलनाथ द्वारा ओबीसी वर्ग के हित में लिए गए आरक्षण सम्बंधित फैसलें में षड्यंत्रकारी रूख अपनाते हुए उसमें अनेकों-अनेक पेचीदियां लगाई गई। ओबीसी आरक्षण को लेकर भाजपा ने हमेशा षड्यंत्रकारी रवैया अपनाया है। विगत 6 वर्षों के घटनाक्रम पर नजर डालें तो यह बात स्पष्ट हो जाती है।

वरिष्ठों के मार्गदर्शन में युवाओं को सौंपे अहम जिम्मेदारीः नकुलनाथ

संगठन से पहले आप मेरी शक्ति है जिससे मुझे बल मिलता हैः कमलनाथ

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता पार्टी की नींव है। उनकी कार्यकुशलता, अनुभव व समर्पण का लाभ युवा पीढ़ी को मिलना चाहिए। नई नियुक्तियों के लिए भरपूर समय है इसीलिये जिम्मेदारी सौंपते समय संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता की मंशा को भी जानें साथ ही नई नियुक्तियों में युवाओं को मौका मिले इस पर विशेष ध्यान दिया जावे। उक्त उदगार आज पूर्व सांसद श्री नकुलनाथ ने विधानसभा प्रभारी, मोर्चा संगठन के प्रभारी, पर्यवेक्षक, ब्लॉक अध्यक्ष, समस्त शहर अध्यक्ष, समन्वयक, कार्यकारी अध्यक्ष व मोर्चा संगठन के जिलाध्यक्षों की आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। नकुलनाथ ने शिकारपुर कमलकुंज में आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए आगे कहा कि नई नियुक्तियों के लिए भरपूर समय है। वरिष्ठों के मार्गदर्शन में युवाओं को मौका मिले इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अपने उदबोधन में भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि भाजपा के लोग स्वयं डबल व तीन इंजिन वाली सरकार से विकास की बात करते हैं, किन्तु विगत 7 माह में छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना जिले में एक भी विकास के कार्य नहीं हुए, यह बात आम जनता तक पहुंचाना होगा। आमजन को यह समझना होगा कि भाजपा किस तरह झूठ बोलकर वोट मांगती है, चुनाव जीतने के बाद अपने वायदे भूल जाती है, इसके अनेक उदाहरण आप सभी के पास है इसीलिये मुझे बताने की आवश्यकता नहीं है।

शिक्षक नैतिकतापूर्ण, ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करें

समग्र शिक्षा अभियान की जिला स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

छिंदवाड़ा। कलेक्टर शीलेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में स्थानीय महारानी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदवाड़ा में जिला शिक्षा अधिकारी गोपाल सिंह बघेल एवं जिला परियोजना समन्वयक जे.के.ईडपाचे के द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के समूचे अमले में 99 जनशिक्षा केंद्रों के जनशिक्षक एवं 11 विकासखंड के समस्त बी.ए.सी, एम.आर.सी.,बी.आर.सी. की मैराथन बैठक ली गई। बोर्ड परीक्षा के निकट दृष्टिगत बैठक में 11 बजे से लेकर 5 बजे तक जनशिक्षको एवं बीएसी को बेहतर परीक्षा परिणाम हेतु मार्गदर्शित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी गोपाल सिंह बघेल ने कहा कि शिक्षक नैतिकतापूर्ण, ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करें शिक्षकों के द्वारा किसी प्रकार की लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं अमर्यादित व्यवहार क्षम्य नहीं होगा। उन्होंने जनशिक्षकों को निर्देशित किया कि वह अपने जनशिक्षा केंद्र स्तर पर लापरवाह शिक्षकों की जानकारी बीआरसी के माध्यम से कार्यालय को उपलब्ध करावे साथ ही गुणवत्तापूर्ण अध्यापन कार्य के साथ उत्कृष्ट एवं प्रसंशनीय कार्य करने वाले शिक्षकों के नाम भी प्रेषित करें, जिससे कि जिला स्तर पर ऐसे शिक्षकों को सम्मानित किया जा सके। बैठक को संबोधित करते हुए जिला परियोजना समन्वयक जे.के.इडपाचे ने कहा कि समग्र शिक्षा अभियान एवं शिक्षा विभाग की समस्त प्रकार की योजनाओं के क्रियान्वयन का केंद्र बिंदु जनशिक्षक ही है।जनशिक्षक अपने पदीय दायित्व के अनुरूप अकादमिक मॉनिटरिंग के साथ-साथ शासन की समस्त योजनाओं को समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। समीक्षा बैठक में एजेंडे के अनुसार ए.पी.सी. संकेत जैन द्वारा अकादमिक एजेंडे पर समस्त शासकीय शालाओं में एफ.एल.एन. अंतर्गत चल रही गतिविधियों, आवधिक आंकलन के आधार पर विद्यालय को ए,बी, सी,डी ग्रेडवार चिन्हांकित किया जाना, कक्षा पांचवी एवं आठवीं के रजिस्ट्रेशन, बोर्ड परीक्षा की तैयारी,परीक्षा केंद्र एवं केंद्र अध्यक्ष के प्रस्ताव, एंडलाइन की पूर्व तैयारी, आठवीं एवं पांचवी अर्धवार्षिक परीक्षा प्राप्तांको की प्रविष्टि आदि विषयों पर सूक्ष्मता से विकासखंडवार एवं जनशिक्षा केंद्र वार ऑनलाइन आंकड़ों के आधार पर समीक्षा कर आवश्यक निर्देश प्रदाय किए गए।एपीसी मुकेश श्रीवास्तव द्वारा ई एंड आर अंतर्गत यू डाइस पोर्टल पर नामांकन,चाइल्ड प्रोफाइल की एंट्री, मैपिंग नहीं किए जाने वाले छात्रों की संख्या, ड्रॉपबॉक्स,ड्रॉप आउट छात्रों से संबंधित जानकारी की समीक्षा की गई।वहीं ए.पी.सी. मथुरा प्रसाद चौरिया द्वारा आई ई डी अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एवं यू डाइस पोर्टल पर उनकी प्रविष्टि, विकासखंड स्तर पर संसाधन कक्ष की मॉनिटरिंग के साथ होम बेस्ड एजुकेशन वाले बच्चों से एम. आर.सी. द्वारा भेंट करने संबंधी मॉनिटरिंग प्रतिवेदन पर चर्चा की गई।

शेषराव यादव को भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा विकासखंड यादव महासभा के सामाजिक बंधुओं के द्वारा यादव समाज के गौरव पूर्व उपाध्यक्ष महाकौशल विकास शेषराव यादव को भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर उनके निवास पहुंचकर उन्हे पुष्प गुच्छ भेंट कर समाज की ओर से सभी ने शुभकामनाएं प्रेषित किये। जिसमें मुकेश यादव यादव महासभा के विकासखंड के अध्यक्ष, शालिग्राम यादव अध्यक्ष नगर यादव महासभा, संजय यादव अध्यक्ष युवक यादव महासभा, अजय यादव कोषअध्यक्ष नगर यादव महासभा, लक्ष्मण यादव, संतोष यादव, राजकुमार यादव, दीपक यादव, अरविंद यादव, विजय यादव एवं समाज के सभी बंधुवर उपस्थित रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 08 फरवरी को

छिन्दवाड़ा। जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य डॉ.सी.एस.पानकर ने बताया कि कक्षा 9वीं एवं 11वीं के लिये जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 08 फरवरी 2025 शनिवार को प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 01.30 बजे तक 7 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जायेगी। प्रवेश परीक्षा-2025 के प्रवेश पत्र जारी किए जा चुके हैं।उन्होंने जिले के कक्षा 8वीं एवं 10वीं के सभी पंजीकृत विद्यार्थियों से नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाईट एवं https:// cbseitms. nic.in/w0wy/nvsi&/ से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की सलाह दी है। परीक्षा के समय प्रत्येक अभ्यर्थी मूल प्रवेश पत्र एवं मूल आधार कार्ड लेकर परीक्षा केंद्र में आयेंगे।

दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों के निःशुल्क उपकरण हेतु पंजीयन शिविर 30 को

छिंदवाड़ा। आधार फाउंडेशन एवं सक्षम समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल द्वारा नगर के परसिया रोड स्थित दिव्यांगों की सेवा में समर्पित संस्था आधार फाउंडेशन में दिव्यांगजन एवं वृद्धजनों के लिए जीवन सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदाय करने हेतु परीक्षण शिविर का आयोजन आज गुरुवार 30 जनवरी को प्रातः 10 बजे से 4 बजे तक मुख्य अतिथि डॉक्टर शेषराव यादव जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, विशिष्ट अतिथि श्रीमती गरिमा प्रतीक दामोदर एवं कार्यक्रम अध्यक्ष सर्वोदय के प्रदेश संयोजक नगर पालिक निगम स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर दीपक राज जैन की उपस्थिति में किया गया हैं। जिसमें सभी वृद्धजनों सहित दिव्यांगजनों से सम्मिलित होकर शिविर का लाभ लेने की अपील सक्षम के जिला सह संयोजक इंजी. महेश किंथ एवं आधार फाउंडेशन की संचालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता पांडे द्वारा की गई है।

प्राथमिक शिक्षक निलंबित

छिन्दवाड़ा। जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल द्वारा विकासखंड मोहखेड़ के शासकीय प्राथमिक शाला बाड़ीवाड़ा संकुल केन्द्र सांवरीबाजार के प्राथमिक शिक्षक श्री तुकाराम गौतम को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शाला में अन्य बाहरी व्यक्तियों के साथ मिलकर शराब का सेवन करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री बघेल ने बताया कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहखेड़ के 28 जनवरी 2025 के माध्यम से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार विकासखंड मोहखेड़ के शासकीय प्राथमिक शाला बाड़ीवाड़ा संकुल केन्द्र सांवरीबाजार के प्राथमिक शिक्षक श्री तुकाराम गौतम के द्वारा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शाला में अन्य बाहरी व्यक्तियों के साथ मिलकर शराब का सेवन किया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आचरण नियमों के तहत कोई भी शासकीय सेवक अपने कर्तव्यों का पालन करते समय कोई मादक पेय या औषधि नहीं पियेगा और न ही उसके प्रभाव में रहेगा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में प्राथमिक शिक्षक श्री गौतम के द्वारा अपने कर्तव्यस्थल पर मादक पेय पदार्थों का प्रयोग करना प्रदर्शित हो रहा है, जो अनुशासनहीनता एवं शासकीय सेवक के आचरण के विपरीत है।

अरून धुर्वे को युवक कांग्रेस पांढुर्ना विधानसभा प्रभारी

पांढुर्ना व सौंसर युवक कांग्रेस में हुई नवनियुक्तियां

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार पांढुर्ना विधानसभा युवक कांग्रेस व सौंसर ब्लॉक, बड़चिचोली व नांदनवाड़ी ब्लॉक युवक कांग्रेस में नवनियुक्तियां की गई है। पांढुर्ना जिला प्रभारी गंगाप्रसाद तिवारी पांढुर्ना जिला अध्यक्ष सुरेश झलके, मोर्चा संगठन के प्रभारी आनंद बक्षी, पांढुर्ना विधायक निलेश उइके व सौंसर विधायक विजय चौरे की सहमति लेकर पंकज दातारकर जिला युवक कांग्रेस प्रभारी पांढुर्ना एवं जिला युवक कांग्रेस पांढुर्ना अध्यक्ष ज्ञानेश्वर गावंडे के द्वारा नई नियुक्तियां की गई है जो निम्नानुसार है। अरून धुर्वे को युवक कांग्रेस पांढुर्ना विधानसभा प्रभारी, बंटी ठाकुर अध्यक्ष युवक कांग्रेस पांढुर्ना विधानसभा, पांढुर्ना विधानसभा में कार्य. अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी चेतन साहू व निलेश कोडापे को सौंपी है। बड़चिचोली ब्लॉक युवक कांग्रेस अध्यक्ष रजत पराड़कर व कार्य. अध्यक्ष विकास पराड़कर एवं रोशन कुमरे मनोनीत किए गए हैं। मारूड़ ब्लॉक युवक कांग्रेस अध्यक्ष चैतराम चौधरी व कार्य. अध्यक्ष कृष्णाराव राउत, प्रभारी हितेश ठाकुर मनोनीत किए गए हैं। प्रदीप उइके को नांदनवाड़ी ब्लॉक युवक कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।

सौंसर युवक कांग्रेस में हुई नियुक्तियां

सौंसर युवक कांग्रेस विधानसभा व सौंसर ब्लॉक युवक कांग्रेस में नवनियुक्तियां की गई है। डॉ. शिव सालोटकर को प्रभारी युवक कांग्रेस विधानसभा सौंसर, राजा बोडे को अध्यक्ष युवक कांग्रेस विधानसभा सौंसर, संदीप ठाकरे को प्रभारी ब्लॉक युवक कांग्रेस सौंसर व हर्षल पिंगले को अध्यक्ष ब्लॉक युवक कांग्रेस सौंसर मनोनीत किया गया है।

युवाओं को सही दिशा प्रदान करे मेंटरः श्रीमती डॉ कामना वर्मा

जनअभियान परिषद के मेंटर्स का दो दिवसीय मेंटर प्रशिक्षण आरंभ

छिंदवाड़ा। आज के युवाओं को सही दिशा देने का कार्य करना है, वह भी सकारात्मक दृष्टि के साथ ओर समाज में सहयोग करे। मेंटर की भूमिका महत्वपूर्ण है आपको भावी पीढ़ी को समाज के लिए नई दिशा देने का कार्य करना है तभी समग्र ग्राम के लक्ष्यों को पाने में भूमिका निभा पाएंगे। उक्त बात राजा शंकर शाह विश्व विद्यालय की लोकपाल प्रो. डॉ कामना वर्मा ने कही। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता

विकास कार्यक्रम के अंतर्गत परामर्शदाताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण में बोल रही थीं। इस अवसर पर डॉ पी सनेसर प्रोफेसर, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद अखिलेश जैन, नैनसुख ग्राम विकास के संभाग संयोजक, मनीषा यादव ट्रेनर सीआईआई, समस्त विकासखंड समन्वयक, सभी परामर्श दाता मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन समाज सेवी परामर्श दाता विनोद तिवारी, आभार प्रदर्शन जिला समन्वयक अखिलेश जैन ने किया। भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण एवम् दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ उपरांत श्रीमती कामना वर्मा ने कहा जन अभियान परिषद प्रारंभ से स्वैच्छिक आधार पर समाज में अनुकरणीय कार्य करने वालों को प्रोत्साहित कर समग्र विकास के लिए कार्य करता रहा है, इस प्रकार के प्रशिक्षण से कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से करने में सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को सही दिशा देने का कार्य करना है वह भी सकारात्मक दृष्टि के साथ देश के विकास के सहयोग करे। मेंटर की भूमिका महत्वपूर्ण है आपको भावी पीढ़ी को गढ़ने का कार्य करना है तभी समग्र ग्राम के लक्ष्यों को पाने में भूमिका निभा पाएंगे। प्रोफेसर पी सनेसर ने सोशल लीडरशीप को विस्तार से समझाया और उन्होंने मेंटर की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने जन अभियान के कार्यों के बारे में रोचकता के साथ मेंटर को बताया। जिला समन्वयक अखिलेश जैन ने ने समाज कार्य की अवधारणा और कोर्स में महत्व के बारे में बताया। उन्होंने जन अभियान की बात अवधारणा की बात बताई, जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि जन अभियान परिषद के मेंटर्स अपनी क्षमता का उपयोग समाज की भलाई के लिए करें, इसके लिए सामुदायिक नेतृत्व पाठ्यक्रम के छात्रों के साथ मिलकर शासन के विभागों से समन्वय स्थापित कर शासन की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने में मदद करें तभी जन अभियान परिषद और आपके कार्यों की सार्थकता सिद्ध होती है। उन्होंने जन अभियान परिषद के कार्यों को विस्तृत रूप से समझाया।

बापू की पुण्यतिथि पर बीजेपी-कांग्रेस नेताओं ने दी श्रृद्धांजलि

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में जुटे नेता, सीएम ने जापान में बापू को याद किया

भोपाल। महात्मा गांधी की आज 77वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर सरकार आज प्रदेश भर में शहीद दिवस का आयोजन कर रही है। वहीं बीजेपी, कांग्रेस सहित तमाम राजनैतिक दल बापू को श्रृद्धांजलि दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी बापू को श्रृद्धांजलि दी। सीएम ने जापान के कोबे शहर में गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित कर बापू को याद किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी का पूरा जीवन भारतीयों के लिए समर्पित रहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्बर्ट आइंस्टीन ने गांधी जी के बारे में ठीक ही कहा था कि भविष्य की पीढ़ियों को इस बात पर विश्वास करने में मुश्किल होगी कि हाड़-मांस से बना ऐसा कोई व्यक्ति भी कभी धरती पर आया था।

इधर, भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में लगी बापू की प्रतिमा पर बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं ने श्रृद्धांजलि दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक भगवानदास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति की मौजूदगी में बापू को श्रृद्धांजलि दी।

वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी समेत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय में बापू को श्रृद्धासुमन अर्पित किया।

कर्मचारियों ने 2 मिनट का सामूहिक मौन रखा

मंत्रालय के सामने पार्क में मुख्य सचिव अनुराग जैन की मौजूदगी में बापू को दी गई। श्रृद्धांजलि ठीक 11 बजे सायरन बजाने के साथ ही मौन शुरू हुआ और 2 मिनट का मौन धारण करने के बाद बापू को पुष्पांजलि देने के बाद अधिकारी कर्मचारी अपने काम के लिए रवाना हो गए।

कांग्रेस ने प्रदेश भर में रखे कार्यक्रम

बापू की पुण्यतिथि के मौके पर प्रदेश कांग्रेस की ओर से सभी जिला, शहर कांग्रेस कमेटियों को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर जिला अस्पतालों में मरीजों को फल वितरण, संगोष्ठी और सर्व धर्म सम भाव आदि कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही महात्मा गांधी जी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला जायेगा। कार्यक्रम में जिलों के वरिष्ठ कांग्रेसजनों, विधायकों, पूर्व सांसद, पूर्व विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों, कांग्रेस पक्ष के स्थानीय निकाय के जन प्रतिनिधियों, मोर्चा संगठनों, विभागों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों समेत अन्य सक्रिय कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

भोपाल। विश्व वेटलैंड दिवस पर बोट क्लब पर बच्चों की पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भोपाल में वेटिंग शिक्षकों की दंडवत पद यात्रा, महिलाएं कराएंगी मुंडन

भोपाल। उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग-1 2023 में महिला शक्ति द्वारा महाआंदोलन की जा रहा है। यात्रा की शुरुआत भोपाल के पॉलिटेक्निक कॉलेज से सीएम हाउस तक दंडवत यात्रा सुबह 11 बजे होगी। जिसके बाद सामूहिक रूप से महिला मुंडन भी करवाएंगी।

इसके अलावा पुरूष अभ्यर्थी रानी कमलापति स्टेशन से डीपीआई तक दंडवत यात्रा निकालेंगे। अभ्यर्थियों की माने तो सरकार रिक्त पदों में पद वृद्धि करके 2 काउंसलिंग के लिए लिखित आश्वासन नहीं देती है। इस लिए सरकार रिक्त पदों में पद वृद्धि करके 2 काउंसलिंग करे। उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग 1 2023 में रिक्त पदों की जानकारी गजट पत्र छक्क्ष 27 दिसंबर 2024 के अनुसार जनजातीय कार्य विभाग में लगभग 15000 से अधिक पद रिक्त है। जिसमें सरकार रिक्त पड़े पदों में पद वृद्धि करके 2 काउंसलिंग करे।

आखिरकार इंदौर के भी बीजेपी जिलाध्यक्ष घोषित

सुमित मिश्रा बने शहर अध्यक्ष, श्रवण सिंह चावड़ा को मिली ग्रामीण की कमान

भोपाल। लंबी जद्दोजहद और खींचतान के बाद आखिरकार बीजेपी ने इंदौर के दोनों जिला अध्यक्षों के नामों का ऐलान कर दिया है। बीजेपी ने इंदौर नगर में सुमित मिश्रा और इंदौर ग्रामीण में श्रवण सिंह चावड़ा को जिला अध्यक्ष बनाया है। आज सुबह ही जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से मुलाकात की थी। वे कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में स्थित बापू की श्रद्धांजलि समारोह में वीडी शर्मा के साथ शामिल हुए थे। बीजेपी ने जिला अध्यक्षों के चुनाव की रायशुमारी की प्रक्रिया दिसंबर में ही पूरी कर ली थी। लेकिन नेताओं के बीच आपसी खींचतान के चलते जिला अध्यक्षों के नामों का ऐलान करने में 12 दिन का वक्त लग गया। 12 जनवरी को बीजेपी ने सिर्फ दो जिलों- उज्जैन और विदिशा के जिला अध्यक्ष घोषित करके शुरुआत की थी।

प्रयागराज महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 16 हजार कार्यकर्ताओं ने मोर्चा संभाल लिया है. ये स्वयंसेवक मेला क्षेत्र के विभिन्न चौराहों और रास्तों पर तैनात रहकर मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को रास्ता बताएंगे और ट्रैफिक को नियंत्रित करने में पुलिस की मदद भी करेंगे।

पत्नी के महाकुंभ में डुबकी लगाने से पति नाराज़, तलाक तक पहुंची बात

भोपाल। प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। यहां प्रतिदिन गंगा स्नान करने के लिए देश ही नहीं विदेशों से भी लाखों की संख्या में तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। इनमें अधिकतर श्रद्धालु अपनी पत्नियों के साथ गंगा में डुबकी लगा रहे हैं, जिससे उनका रिश्ता अगले सात जन्मों तक ऐसा ही चलता रहे, लेकिन भोपाल से महाकुंभ को लेकर एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके कारण पति और पत्नी के बीच तलाक की नौबत बन गई है। 55 वर्षीय पति ने तलाक के लिए फैमिली कोर्ट में आवेदन दिया है।

बता दें कि इस मामले में पति नहीं चाहता था, कि पत्नी महाकुंभ में नहाने जाए। इसके बावजूद पत्नी अपनी इच्छा से सहेलियों के साथ प्रयागराज पहुंच गई, जिसके कारण पति नाराज हो गया। उसने फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए आवेदन भी कर दिया। इसमें उसने लिखा है, कि उसे साध्वी नहीं, ऐसी पत्नी चाहिए जो संजने और संवरने के साथ उसकी इच्छाओं का भी ख्याल रखे। जबकि इस मामले में पत्नी का कहना है, कि उसमें कोई बुराई नहीं है और वो पति के लिए अपनी वेशभूषा में बदलाव नहीं कर सकती है। फैमिली कोर्ट की काउंसलर शैल अवस्थी ने बताया कि आमतौर पर यहां पति यही शिकायत करते हैं, कि उनकी पत्नियां सजने-संवरने में काफी पैसा बर्बाद कर देती हैं, लेकिन इस मामले में पति ने बताया कि न तो पत्नी पार्लर जाती है और न ही मेकअप करती है।

उसे अट्रैक्टिव दिखने में कोई दिलचस्पी नहीं है। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी सहेलियों के साथ तीर्थ स्थानों में घूमने जाती है, जबकि पति ने कई बार उसे पहाड़ी क्षेत्र या रोमांटिक स्थलों पर चलने के लिए कहता है, लेकिन वह मना कर देती है। पति ने बताया कि उसकी कोशिश है कि पत्नी अन्य महिलाओं की तरह सज संवर कर रहे, लेकिन उसने कभी न तो लिपिस्टिक लगाया और न कभी श्रंगार किया। अब सिंदूर की जगह भी चंदन लगाने लगी है। इसके साथ पत्नी महाकुंभ में जाने के बाद गले में रुद्राक्ष की माला भी पहनने लगी है।

हालांकि पति का कहना है कि उसने पत्नी को माडर्न बनाने का काफी प्रयास किया, लेकिन इसका कोई मतलब नहीं निकला। काउंसलर शैल अवस्थी ने बताया कि पति की उम्र करीब 55 साल है। इनकी शादी करीब 25 साल पहले हुई थी। अब उनके दो बेटियां हैं। इनमें सबसे बड़ी बेटी की शादी भी हो चुकी है। शैल अवस्थी ने बताया कि इस मामले में महिला ने कहा है कि वह अपने स्वभाव, रहन-सहन और जीवन शैली को नहीं बदलेगी, हालांकि दंपति के बच्चे पति के समर्थन में हैं।

मध्यप्रदेश में प्राइवेट स्कूलों की हड़ताल, राजधानी में असर नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश में आज एमपी बोर्ड के पहली से आठवीं कक्षा तक के प्राइवेट स्कूल बंद हैं। बंद का आह्वान एमपी बोर्ड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने किया है। मान्यता के नियम में रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट की शर्त के विरोध में बंद बुलाया गया है। हालांकि, इसका असर राजधानी भोपाल में नहीं देखा गया। प्राइवेट स्कूल संचालक एसोसिएशन के अनुसार इसका प्रभाव शहर से सटे ग्रामीण इलाकों में नजर आया है। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि सरकार ने मान्यता के नियमों को बहुत जटिल बना दिया है, जिससे सबसे अधिक कठिनाई ग्रामीण जिलों में हो रही है। वहीं एफडी अमाउंट लिया जा रहा है। सत्र 2025-26 की मान्यता में कई स्कूलों के बंद होने की संभावना है। स्कूल बंद होने से उनमें कार्यरत शिक्षक और कर्मचारी बेरोजगार हो सकते हैं और इससे जुड़े संस्थान भी प्रभावित होंगे। बच्चों की शिक्षा पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा। वर्तमान में प्राइवेट स्कूलों से राजस्व बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, जबकि पहले शिक्षा के महत्व को समझते हुए मान्यता नियमों को सरल रखा गया था। ऐसे में सवा लाख से अधिक शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों के बेरोजगार होने की संभावना है।

हाईकोर्ट ने पूछा- कहां है 84 करोड़ के उपकरण

स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के खिलाफ याचिका दायर; 2016 में मिले थे 135 करोड़

जबलपुर। मध्य प्रदेश स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में अभी तक 84 करोड़ से अधिक रुपए के उपकरण खरीदे गए हैं। लेकिन कैंसर मरीजों को अभी भी राहत नहीं है, लिहाजा इस मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के कैंसर वार्ड के 2016 में स्वीकृत 84 करोड रुपए से अभी तक कौन-कौन से उपकरण खरीदे गए हैं।

कोर्ट ने सरकार व कैंसर संस्थान को अतिरिक्त हलफनामा पेश करने को कहा है। जबलपुर निवासी एडवोकेट विकास महावर की ओर से हाई कोर्ट में स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट को लेकर याचिका दायर की गई है।

याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट को बताया कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में प्रदेश का एकमात्र स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट है, जहां पर की न सिर्फ जबलपुर बल्कि समूचे महाकौशल, बुंदेलखंड से कैंसर मरीज इलाज करवाने के लिए यहां आते हैं। करीब 8 साल पहले 2016 में कैंसर इंस्टीट्यूट की सौगात मिली थी, लेकिन आज भी कैंसर से पीड़ित गंभीर मरीजों को इंस्टीट्यूट में इलाज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। परेशान होकर उन्हें बड़े शहरों में जाकर महंगा इलाज करना पड़ रहा है।

एडवोकेट विकास महावर ने कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार ने 135 करोड रुपए का बजट स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के लिए आवंटित किया था। इसमें से करीब 50 करोड रुपए में बिल्डिंग तैयार की गई। याचिका में यह भी बताया गया की मशीनों के अभाव में संस्थान का उचित रूप से संचालन नहीं हो पा रहा है। मरीजों को रेडिएशन थेरेपी का लाभ भी नहीं मिल रहा है। ऑपरेशन नहीं हो रहे हैं। मशीनों के लिए राज्य सरकार के पास करीब 84 करोड रुपए पड़े हैं लेकिन उसका उपयोग नहीं किया गया।

जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैथ और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने राज्य शासन से पूछा है कि स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के कैंसर वार्ड के 2016 में स्वीकृत 84 करोड रुपए से अभी तक कौन-कौन से उपकरण खरीदे गए हैं। कोर्ट ने इस बात पर भी आश्चर्य जाता है कि 8 वर्ष पूर्व राशि स्वीकृत होने के बावजूद अभी तक संस्थान में उपकरण क्यों नहीं खरीदे गए हैं। मामले पर अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद नियत की गई है।

सीआरपीएफ जवान ने पत्नी को गोली मारकर आत्महत्या की, कमरे में मिले दोनों शव

भोपाल ।भोपाल के बंगरसिया स्थित कॉलोनी में रहने वाले सीआरपीएफ जवान ने बुधवार-गुरुवार दरमियानी रात 1.30 बजे गोली मारकर पत्नी की हत्या कर दी। उसने पत्नी को दो से ज्यादा गोलियां मारी। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम और डायल 100 में खुद कॉल कर हत्या करने की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो जवान का शव खून से लथपथ मिला। पास ही पत्नी का शव भी पड़ा था। इसके बाद पुलिस ने दोनों बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। घटनास्थल की जांच के दौरान पुलिस को पास ही पड़ी सर्विस इंसास राइफल और आठ कारतूस मिले हैं।

पुलिस पहुंची तो पति-पत्नी के लहुलुहान शव मिले- टीआई मनीष राज सिंह भदौरिया ने बताया कि रात करीब 1=30 बजे रविकांत ने कॉल कर बताया कि मैंने अपनी पत्नी को गोली मार दी है। फिलहाल ये स्पष्ट नहीं है कि दोनों को कितनी गोली लगी है। पत्नी की बॉडी में पीठ और पसली पर दो घाव साफ दिखाई दे रहे हैं। दोनों बॉडी का पीएम एम्स में कराया जा रहा है।

रविकांत वर्मा (35) और पत्नी रेनू वर्मा (32) सीआरपीएफ कैंप के पास सिविल कॉलोनी में रहते थे। ये लोग मूल रूप से भिंड के मिहोना के रहने वाले थे। जानकारी के मुताबिक इनके दो बच्चे ढाई साल की बेटी और 6 साल का बेटा है। रविकांत के दो अन्य भाई भी सीआरपीएफ में ही नौकरी करते हैं। रवि 13 साल पहले सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था।

दूसरे कमरे में बिलखते मिले दंपती के दोनों बच्चे

पुलिस ने बताया कि पति-पत्नी के शव एक कमरे में थे, जबकि दोनों मासूम दूसरे कमरे में बैठे बिलख रहे थे। गोलियों की आवाज सुनने के बाद पड़ोसी मौके पर पहुंचे, तब तक पत्नी-पत्नी की मौत हो चुकी थी। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि दोनों के बीच आए दिन झगड़े की आवाज आती थी।

मायके को ज्यादा तवज्जो देने को लेकर विवाद

पुलिस की अब तक की जांच में पता चला है कि सीआरपीएफ जवान रविकांत और रेनू की 8 साल पहले शादी हुई थी। पत्नी रेनू मायके पक्ष से फोन पर ज्यादा बातचीत करती थी। जवान को लगता था कि पत्नी ससुराल से ज्यादा मायके पक्ष को तवज्जो देती है। उससे और बच्चों से ज्यादा समय फोन पर बातचीत में बिताती है। इसी वजह से दोनों के बीच आए दिन विवाद होते थे। पुलिस का मानना है कि दोनों के बीच हुआ विवाद देर रात तक चला, इसके बाद जवान ने यह कदम उठाया है।